कोरोना इंडिया

कंफर्म केस	13816
एक्टिव केस	11399
ठीक हुए	1960
मौत	457
छत्तीसगढ़	
एक्टिव केस	12
ठीक हुए	24

दैनिक

नव प्रदेश

अभिसिंचन तमस-परस्पात

प्रदेश के साथ पूरा देश...

कोरोना वर्ल्ड

कंफर्म केस	2208270
मौत	148726
ठीक हुए	558620

देश	कंफर्म केस	मौत
अमेरिका	679737	34703
इटली	168941	22170
स्पेन	184948	19315
फ्रांस	165027	17920

www.navpradesh.com | बिलासपुर, शनिवार 18 अप्रैल 2020, वैशाख कृष्ण पक्ष-एकादशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-08 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना वायरस के वैश्विक संकट के बावजूद आतंकिस्तान अपने नापाक इरादों से तौबा करने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर वह भारत में कोरोना संक्रमित आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहा है। वहीं दूसरी ओर वह भारत के सामने कटोरा रख कर कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार में काम आने वाली दवाई की भीख भी मांग रहा है। अब भारत के सामने धर्म संकट की स्थिति पैदा हो गई है कि वह पड़ौसी धर्म निभाए या उस जहरीले सर्पीस्तान को दूध पिलाने की गुस्ताखी न कर पापिस्तान की सहायता से इंकार कर दें?

पाकिस्तान को छोड़कर सभी सार्क देशों के चिकित्सकों ने मांगा एम्स रायपुर का सहयोग

नव प्रदेश संवाददाता

- एम्स की सफलता मंत्र को अपने अस्पताल में प्रयोग करने का दिया आश्वासन
- एम्स ने प्रशिक्षण और ज्ञान का आदान-प्रदान करने का दिया भरोसा
- वेबीनार में सार्क के सात देशों के 147 प्रतिनिधियों ने लिया भाग

रायपुर। कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए अब दुनिया के अन्य देशों ने हमारे रायपुर स्थित एम्स का सहयोग मांगा है। दरअसल दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के विभिन्न देशों के साथ सहयोग बढ़ाने और उनके साथ स्वयं के अनुभव बांटने के उद्देश्य से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर ने शुक्रवार को वेबीनार के माध्यम से सार्क देशों के 147 चिकित्सकों के साथ संवाद किया।

इस अवसर पर उन्हें कोविड-19 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए तकनीकी और चिकित्सकीय जानकारियां प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय विदेश ■ शेष पृष्ठ 8 पर

'50 से ज्यादा उम्र वालों के लिए यह ढाई गुना ज्यादा हानिकारक'

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने वेबीनार के उद्घाटन सत्र में कोविड-19 की चीन के वुहान में शुरुआत से लेकर इसके फैलने और वर्तमान में दुनियाभर के देशों में चल रहे लॉकडाउन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उनका कहना था कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में यह ढाई गुना अधिक हानिकारक है। विभिन्न सुरक्षा उपायों को अपनाकर इससे बचाव ही सबसे प्रभावकारी इलाज है। उन्होंने कोविड-19 के केसों की व्याख्या प्रस्तुत की और इससे बचने के लिए अपनाए जा रहे उपायों के बारे में बताया।

सार्क के चिकित्सकों ने भारतीय चिकित्सकों की प्रशंसा की

सार्क के चिकित्सकों ने भारतीय चिकित्सकों के प्रयासों की सराहना की और एम्स रायपुर से मंतृत्व और सहयोग का अनुरोध किया। सार्क देशों के चिकित्सकों का कहना था कि भारत ने लॉकडाउन और चिकित्सकीय सहायता की मदद से कोविड-19 पर काफी नियंत्रण किया हुआ है जिससे अन्य देशों को भी सीखना चाहिए। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एम्स से एक और रोगी की छुट्टी, शेष मरीजों की हालत स्थिर

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार कोरबा स्थित करुरोग की एक और महिला रोगी का लगातार दूसरा टेस्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें शुक्रवार को छुट्टी दे दी गई है। शेष सभी 12 रोगियों की हालत स्थिर बनी हुई है। इन सभी का आईसीएमआर के प्रोटोकॉल के अनुसार इलाज किया जा रहा है।

पाकिस्तान ने नहीं लिया भाग

इसमें पाकिस्तान को छोड़कर शेष सभी सार्क देशों के 147 चिकित्सकों ने भाग लिया। अंत में 27 प्रतिभागियों ने प्रो. नागरकर से प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाएं शांत की। सार्क देशों के अलावा इसमें ऑस्ट्रेलिया, पेरू और दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

खास खबर

कोरोना संकट में तीन माह की फीस न लें स्कूल : निशंक

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने कोरोना महामारी के दौरान स्कूलों द्वारा तीन महीने की फीस एक साथ लिए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्कूलों से ऐसा न करने की अपील की है। डॉ निशंक ने ट्वीट करके कहा, देश भर से कई अभिभावकों द्वारा मेरे संज्ञान में यह बात लाई गई है कि इस संकट के समय में भी कई स्कूल अपनी सालाना फीस में वृद्धि और तीन महीने की वर्तमान फीस एक साथ ले रहें हैं।

कोरोना संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर में इजाफा

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस 'कोविड-19' से संक्रमितों के स्वस्थ होने की रफ्तार में इजाफा हो रहा है और अब तक ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 1749 हो गयी है। संक्रमितों की रिकवरी दर 13 06 प्रतिशत है जिससे पता चलता है कि कोरोना संकट से निपटने के लिए सही दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। लॉकडाउन से पहले देश में तीन दिनों कोरोना मरीजों की संख्या दुगुनी हो जाती थी और पिछले सात दिनों के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो दुगुनी होने की दर 6 2 दिन हो गयी है।

किडनी को भी संक्रमित करता है कोरोना वायरस : विशेषज्ञ

नई दिल्ली (वार्ता)। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी ने अपनी हालिया रिपोर्ट में दावा किया है कि कोरोना वायरस फेफड़ों को ही बल्कि किडनी को भी संक्रमित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना विषाणु से संक्रमित लोगों की जांच में करीब 25 से 50 फीसदी ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें पीड़ितों की किडनी में भी इसका असर देखने को मिला। रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस से संक्रमित के मूत्र में प्रोटीन और रक्त का अधिक मात्रा में रिसाव होता है।

कोरोना संकट: अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने आरबीआई ने किए कई उपाय

रिवर्स रेपो दर घटाई

पूंजी बाजार को 50 हजार करोड़

- आरबीआई गवर्नर बोले- आर्थिक विकास दर 1.9 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई/नवप्रदेश। कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर के मात्र 1.9 फीसदी रहने का अनुमान जताते हुए रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को रिवर्स रेपो दर में कमी करते हुए अर्थव्यवस्था में तेजी के लिए कई उपायों की घोषणा की है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संवाददाता सम्मेलन में इन उपायों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नकदी संकट को दूर करने के लिए रिजर्व बैंक पूंजी बाजार में 50,000 करोड़ रुपये की मदद करने जा रहा है।

गवर्नर ने कहा कि कोरोना संकट की वजह से भारत की जीडीपी विकास दर 1.9 रहने का अनुमान जताया गया है जो जी20 देशों में सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा, हम पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर नजर रख रहे हैं। भारत के हालात दूसरे देशों से काफी बेहतर हैं। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौसम विभाग ने साल 2020 में मानसून अच्छा रहने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रिजर्व बैंक ऑफइंडिया की आज की घोषणाओं से नकदी और ऋण आपूर्ति में सुधार आएगा। इन कदमों से हमारे छोटे व्यवसायों, एमएसएमई, किसानों और गरीबों को मदद मिलेगी। यह डब्ल्यूएमए की सीमा बढ़ाकर सभी राज्यों की मदद भी करेगा।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सुखद खबर- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने की अपनी रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ की तारीफ

लॉकडाउन में भी सूबे की माली हालत में हुआ इजाफा

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। देश व्यापी लॉकडाउन में भी छत्तीसगढ़ ने तेजी से आर्थिक वृद्धि दर्ज की, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ की तारीफ की है। सूबे के लिए यह सुखद अनुभूति देने वाली खबर है कि ना सिर्फ माली हालत में ईजाफा दर्ज किया गया है बल्कि प्रदेश के हालात कोरोना संक्रमण से लड़ने की तैयारियों और इसके फैलाव को रोकने में के प्रयासों में भी सराहा जा रहा है। आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ में कृषि और उससे सम्बंधित कार्यों में बनी तेजी को भी सराहा है।

आरबीआई की रिपोर्ट में बताया है कि देश व्यापी लॉकडाउन के बावजूद छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में आर्थिक क्षेत्र में तेजी से वृद्धि देखी गयी जो कि देश में सुखद वातावरण बनाता है। पिछले तीन हफ्तों में, घरेलू विकास पर कुछ आंकड़े ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छग में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के संचालन के लिए केंद्र ने जारी किए दिशा निर्देश

20 से दौड़ने लगेगी राज्य की अर्थव्यवस्था की गाड़ी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लॉकडाउन के बीच राहत की खबर है। राहत उन राज्यों की तुलना में जहां कोरोना का असर ज्यादा है। छत्तीसगढ़ सरकार 20 अप्रैल से बहुत सी आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने जा रही हैं, ताकि सामान्य जनजीवन पटरी पर आ सके और राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिल सके। इस संबंध में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की ओर से आदेश जारी किए जा चुके हैं। दरअसल ये आदेश भारत सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से राज्य सरकार को मिले दिशा-निर्देशों के अनुरूप जारी किए गए हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा राज्य शासन को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

चिह्नित जिले व कोरोना हॉटस्पाट्स के भीतर कंटेन्मेंट जोन छोड़ शेष क्षेत्रों में शुरू होंगे तय काम

3 मई तक ये सेवाएं बंद

उड़ान, ट्रेन, बस, स्कूल, शिक्षा संस्थान, प्रशिक्षण संस्थान, अंतरराज्यीय, अंतर्जिला परिवहन, ऑटो रिक्शा, ऑटोटैक्सी सेवाएं, बार, सभागार, शॉपिंग मॉल, एयरोनेट पेज, धार्मिक स्थल आदि। इसके अलावा अंत्यरिष्ट में सिर्फ20 लोगों की इजाजत। उक्त सेवाओं में कुछ में सशर्त छूट का भी प्रावधान है। शिक्षा संस्थानों को शैक्षणिक कार्य ऑनलाइन माध्यम से जारी रखने के लिए कहा गया है।

ये सेवाएं होंगी चालू

मेडिकल स्टोर्स, अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक, वैज्ञानिक गतिविधिया, एक्सरे का निर्माण, कृषि, वेटर्नरी अस्पताल, कुक्कुट पालन, हैचरी, गौशाला संचालन, मनरेगा कार्य, मछली पालन, पशु पालन, बैंकिंग गतिविधिया, बीमा सेवाएं बीमा कंपनिया इत्यादि। लेकिन इन सेवाओं के संचालन के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किए निर्देश

इस संबंध में राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा भारत सरकार के दिशा निर्देशों के तहत 20 अप्रैल से अतिरिक्त गतिविधियों की अनुमति देते हुए राज्य शासन के समस्त विभागों के विभागीय सचिवों, संभागायुक्तों, कलेक्टरों और विभागाध्यक्षों को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना युद्ध में राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ सहित कांग्रेस शासित राज्यों के काम को सराहा

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना के विरुद्ध लड़ने के लिए कांग्रेस शासित राज्यों की तारीफकी और कहा कि इन राज्यों ने 'जहां चाह वहां राह' वाली कहावत को सही चरितार्थ कर दिया है। श्री गांधी ने शुक्रवार को ट्वीट किया, कांग्रेस शासित राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी कोरोना वायरस 'कोविड-19' का डटकर सामना कर रहे हैं। नए, विशेष अस्पताल तैयार किए जा रहे हैं, जैसे छत्तीसगढ़ में यह 200 बेड का विशेष-कोरोना अस्पताल जो मात्र 20 दिन में इलाज के लिए तैयार किया गया है। यह 'जहाँ चाह, वहाँ राह' की कहावत को चरितार्थ करता है।

चिंताजनक-औद्योगिक संगठनों ने अप्रैल का बिजली बिल पटाने से किया इंकार

हालत खस्ता फिर भी दे रहे पारिश्रमिक : एसोसिएशन

नवप्रदेश संवाददाता

- 23 मार्च को काम बंद कर दिया फिर 31 मार्च का बिल क्यों देंगे-पंकज अग्रवाल
- छूट दिए जाने जैसा कोई दिशा-निर्देश नहीं है, बिल भेजा है देना होगा-कैसर हक

रायपुर। छत्तीसगढ़ मिनी स्टील प्लॉंट एसोसिएशन, उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ स्पंज आयरन मैन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन समेत तमाम औद्योगिक संगठनों ने एक राय बनाते हुए अप्रैल महीने में दिए जाने वाले बिजली बिल को पटाने से मना कर दिया है. माना जा रहा है कि इससे बिजली कंपनी को मिलने वाला करीब चार सौ करोड़ का राजस्व प्रभावित हुआ है। उद्योगों का कहना है कि कोरोना की वजह से लॉकडाउन घोषित होने के बाद सरकार ने फैक्टरियों को बंद करने का आदेश दिया था. 23 मार्च को यह आदेश जारी किया गया। इसके तुरंत बाद ही फैक्टरियों को बंद कर दिया गया।

लेकिन बिजली कंपनी ने 31 मार्च तक का बिल जनरेट किया है। दरअसल उद्योगपतियों को इस बात पर ही आपत्ति है कि मार्च महीने में 9 दिन प्लांट बंद रहे, लेकिन इस दौरान भी मिनिमम डिमांड चार्ज और लोड फैक्टर बिल में जोड़ा गया. इससे उद्योग मुश्किल में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

फिलहाल राज्य सरकार ने किसी तरह की छूट दिए जाने संबंधी कोई दिशा-निर्देश नहीं मिले हैं। मार्च महीने का बिल हमने उद्योगों को भेज दिया है। सरकार जैसा निर्णय लेगी, आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मो.अब्दुल कैसर हक, एमडी, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी

शोपियां में मुठभेड़ दो आतंकी मारे गए

श्रीनगर/नवप्रदेश। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शुक्रवार तड़के सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये। इसके तुरंत बाद जिले में कोई भी अफवाह फैलने से रोकने के लिए एहतियातन इंटरनेट सेवा स्थगित कर दी गयी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने शोपियां के कीगाम इलाके में तड़के संयुक्त घेराबंदी और तलाश अभियान चलाया। सुरक्षा बल के जवान जब एक विशेष क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे तो वहां छिपे आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से उन पर गोलीबारी की।

कोरोना संक्रमितों की संख्या 21 लाख के पार, पांच लाख से ज्यादा स्वस्थ

- जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किये गये ताजा आंकड़े

बीजिंग/ जेनेवा/ नई दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और अब तक विश्व के अधिकतर देशों में इस महामारी से 21 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किये गये ताजा आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में कोरोना वायरस से कुल 2142179 लोग संक्रमित हुए हैं जबकि इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 144420 हो गयी है। विश्वभर में अब तक 541424 लोग इसके संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं।

अमेरिका में सर्वाधिक लोग प्रभावित

सीएसएसई की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना वायरस से दुनिया में सर्वाधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा वहां सबसे अधिक मौतें भी हुई हैं। विश्व की महाशक्ति माने-जाने वाले अमेरिका में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हेल्थ बुलेटिन

राज्यों को केंद्र सरकार दे रही है 5 लाख रैपिड किट: स्वास्थ्य मंत्रालय

भारत में 80 प्रतिशत कोरोना मरीज हो रहे हैं ठीक

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत लगातार कोरोना के खिलाफएक लंबी लड़ाई लड रहा है। इस दिशा में सफलता मिलती भी दिख रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने आज देश का हेल्थ बुलेटिन जारी करते हुए कहा कि अन्य बड़े देशों की तुलना में भारत में 80 प्रतिशत मरीज ठीक हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 1,007 नये मामले सामने आये और 23 लोगों की मौत हुई है।

कोशिश यही है कि जल्द बने वैक्सीन: लव अग्रवाल ने कहा कि हमें हर मोर्चे पर कोरोना से लड़ना है, कोशिश की जा रही है कि इसकी वैक्सीन जल्द से तैयार हो। हमारे लिए एक भी मौत चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के मामलों में दूसरे देशों की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर है। कोरोना के केसों के ग्रोथ फैक्टर में 40 फीसदी की कमी आई है।

24 घंटे में 1007 नए केस 23 मौतें

इस खतरनाक बीमारी से 1749 लोग ठीक भी हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 1007 नए केस और 23 मौतें दर्ज की गई है, वहीं कल यानी शुक्रवार को 22 मौतें हुई थी। इस तरह से शुक्रवार को जारी नए आंकड़ों में गिरावट के रुझान देखने को मिल रहे है। कोरोना वायरस से सर्वाधिक 194 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई।

5 लाख रैपिड किट राज्यों को दे रहे हैं

स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि केंद्र की तरफसे राज्यों को पांच लाख रैपिट टेस्ट किट दिया जा रहा है। इस किट से महज 30 मिनट में रिपोर्ट आ जाएगी।

भारत में कोरोना मरीज की संख्या 13 हजार के पार

भारत में भी कोरोना वायरस का प्रकोप जारी है, जिसकी वजह से कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 13 हजार पार कर गई है। मगर पिछले दो दिनों में कोरोना के कहर में कमी देखने को मिली है। देश में खतरनाक कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी से अब तक 437 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों की संख्या 13387 हो गई है।

कोरोना के खिलाफ जंग में कोई कसर नहीं छोड़ रही सरकार: शाह

नई दिल्ली (वार्ता)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार कोरोना महामारी के खिलाफजंग में कोई कसर नहीं छोड़ रही और देश को मजबूत बनाने की योजना में लगी है। आरबीआई द्वारा उठाये गये कदमों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए किये गये इन उपायों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को बल मिलता है। सिलसिलेवार ट्वीट में उन्होंने कहा, कोरोना के खिलाफ जंग में मोदी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। लोगों के जीवन में कम से कम व्यवधान सुनिश्चित करते हुए वह आने वाले दिनों में सशक्त भारत के लिए योजना बना रही है। अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए रिजर्व बैंक द्वारा उठाये गये कदमों से प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को बल मिलता है।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर गिरेगी गाज

नवप्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिले के पुलिस अधीक्षक डी श्रवण ने जिले की कमान सम्हालने के बाद अपने ही तर्ज में कानून व्यवस्था का पालन न करने वालों को सबक सिखाने की मुहिम शुरू कर दी है, जिले की कमान सम्हालने के बाद आज पहली प्रशासनिक सर्जरी को अंजाम दिया है, जिसके तहत जिले के थाना प्रभारियों को नये थाना, चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। लाकडाउन और धारा 144 को कडाई से पालन कराने को लेकर भी इस बार उनकी मंशा स्पस्ट नजर आ रही है, नियमो को न मानने वाले लोगो पर पुलिस की कठोर कार्यवाही की गाज कभी भी गिर सकती है।

नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक डी. श्रवण के आने के बाद आज देर शाम जिले में कसावट लाने के लिए थाना प्रभारियों को नये थाना,चैकी की जिम्मेदारी दी गई है। इस बार निरीक्षक व सब इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों का स्थानांतरण हुआ है। ताजातरीन घटनाक्रमों के मद्देनजर यह व्यवस्था परिवर्तन होने की संभावना जताई जा रही है मगर महकमे में इसे रुटीन तबादला बताया जा रहा है। वही 15 अप्रैल से लॉकडाउन शुरू होने के बाद से दिन दिनों सैकडों गाडिया नगर में दिखने लगी है जबकि लाकडाउन 2 का पालन 20 अप्रैल तक काफी कडाई से कराना था, उसके बाद ही केन्द्र की गाईडलाईन के हिसाब से

छुट मिलने की संभावना बन सकती है किन्तु जहां लॉकडाउन 1 में शुरू के कुछ दिनों बाद से लोगो का निकलना कम हो गया था, जो इस बार देखने को नही मिल रहा है, वही दुसरी तरफअवैध शराब के मामले भी जिले में अधिक सामने आये है जिसके चलते पुलिस अधिकक्षक ने इन सभी मामालों की गंभीरता को देखते हुए जिले का पदभार ग्रहण करते हुए पहली प्रशासनिक सर्जरी को अंजाम दिया है जिसके तहत गुरुवार देर शाम जिले के थाना प्रभारियों को नये थाना, चैकी की जिम्मेदारी दी गई है। इस बार निरीक्षक व सब इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों का स्थानांतरण हुआ है। ताजातरीन घटनाक्रमों के मद्देनजर यह व्यवस्था परिवर्तन होने की संभावना जताई जा रही है, मगर महकमे में इसे रुटीन तबादला बताया जा रहा है। मुंगेली जिले के थाना प्रभारियों के फेरबदल में जरहागांव प्रभारी कविता धुर्वे को सिटी कोतवाली प्रभारी, उपनिरीक्षक जय सिंह राठौर को प्रभारी जरहागांव, उपनिरीक्षक अंजोर लाल चतुर्वेदी को प्रभारी फास्टरपुर के रूप में नयी जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सहायक उपनिरीक्षक सालिकराम राजपूत को कोतवाली मुंगेली से थाना फास्टरपुर भेजा गया है। इनके अलावा मुंगेली जिले में पदस्थ रहे दो प्रभारियों को रक्षित केंद्र भेजा गया है। लॉक डाउन के दौरान मध्य प्रदेश से शराब तस्करी करते मुंगेली पुलिस के कुछ आरक्षको की संलिप्तता को पुलिस अधीक्षक डी श्रवण ने गंभीरता से लिया है। इस मामले से बेहद नाराज एसपी डी श्रवण ने जिले के टीआई एवं एसआई स्तर के अधिकारियों के पदस्थापना में व्यापक फेरबदल किया है। हालांकि इस पूरे तबादले को प्रशासनिक दृष्टिकोण से किया गया फेरबदल बताया गया है।

न्यूज गैलरी

धारा 144 के तहत लॉकडाउन की अवधि में वृद्धि की गई

मुंगेली। कोरोना वायरस (काविड-19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु 31 मार्च को सम्पूर्ण मुंगेली जिले में दंड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत लागू की गई धारा 144 के तहत लॉकडाउन की अवधि मे वृद्धि कर दी गई है। लॉकडाउन अब आगामी 3 मई तक प्रभावशील रहेगा। लॉकडाउन के कारण प्रभावित बेघर बार व्यक्तियों तथा प्रवासी श्रमिक जो विभिन्न अस्थाई राहत शिविरों में रूके है उन्हे आगामी 3 मई तक निःशुल्क भोजन, कपड़े और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाएगें। इस संबंध मे कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने जिले के सभी अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देश दिये है। उन्होने कहा है कि राहत शिविरों मे होने वाले व्यय की राशि राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 मे निहित प्रवाधानो के तहत विकलनीय होगा ।

उत्तर पुस्तिकाओं की जांच अब घर में होगी

मुंगेली। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल मुख्य परीक्षा 2020 के मूल्यांकन के लिए होम वैल्यूएशन कराने का निर्णय लिया है। मंडल ने मूल्यांकनकर्ताओं के लिए निर्देश भी जारी किया है जिसके अनुसार उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते समय निर्धारित पारूप में जानकारी दो प्रति तैयार करनी होगी। जिसमें एक प्रति उत्तर पुस्तिका प्रदायकर्ता व दुसरी प्रति मूल्यांकनकर्ता अपने पास रखेगा। उक्त पावती पारूप में मूल्यांकनकर्ता द्वारा अपना परीक्षा क्रमांक आईडी अनिवार्य रूप से अंकित करना होगा। मूल्यांकन कार्य अधिकतम 10 दिनो में पूरा करना होगा।

बैंकों में सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन के निर्देश

अम्बिकापुर। विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों के बैंक खाते में राशि जमा होने के बाद राशि की निकासी हेतु हितग्राहियों द्वारा बड़ी संख्या में पहुंचने के कारण सोशल डिस्टेंस का अनुपालन नहीं हो रहा है। इस संबंध में अनुविभागीय दण्डाधिकारी अम्बिकापुर श्री अजय त्रिपाठी के द्वारा तहसीलदार लुण्ड्रा एवं लुण्ड्रा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को जागरूक करें। बैंक खातों में जमा राशि बैंकों सुरक्षित रहेगा। हितग्राही जरूरत के अनुसार स्वयं राशि का आहरण कर सकेंगे। उन्होंने कहा है कि बैंक अधिकारियों से सम्पर्क कर प्रत्येक ग्राम हेतु अलग-अलग तिथियों का निर्धारण कर हितग्राहियों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए राशि भुगतान करने की व्यवस्था करें।

मनरेगा से मिला मेहनतकश हाथों को रोजगार

अम्बिकापुर। कोविड-19 के संक्रमण के प्रसार के रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु शासन के निर्देशानुसार जिले के ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर मनरेगा कार्य प्रारंभ किया गया है। शासन द्वारा जारी गाईडलाइन के अनुसार 1 अप्रैल 2020 से मनरेगा का मजदूरी दर में वृद्धि कर 190 रूपए प्रतिदिन कर दिया गया है। मजदूरी दर में वृद्धि होने से मजदूरों में उत्साह का संचार व्याप्त है। मनरेगा के कार्य के लिए मजदूरों को शासन द्वारा जारी निर्देशों के तहत रोजगार सहायक एवं सचिव द्वारा जागरूक किया जा रहा है।

नारायणपुर वनोपज खरीदी में पहले पायदान पर

- 9 हज़ार से ज्यादा संग्राहकों से 6775 क्विंटल से ज्यादा वनोपजों की खरीदी
- ढाई करोड़ रुपये से अधिक राशि का किया गया नकद भुगतान
- सामाजिक दूरी का रखा जा रहा पूरा ध्यान

नारायणपुर। नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के रोकथाम, नियंत्रण व बचाव के साथ-साथ लॉकडाउन और सामाजिक दूरी का (सोशल डिसटेंस) का पालन करते हुए सात लघु वनोपज समितियों के अन्तर्गत 68 महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से गांव स्तर पर लघु वनोपजों की खरीदी की जा रही है। इसके साथ ही कुछ समूह की बाहर के लोगों से भी वनोपज की खुरीदी की जा रही है ताकि उनकी आय बनी रहे।

गुरुवार 16 अप्रैल तक 9324 संग्राहकों से कुल 6775 क्विंटल वनोपजों की खरीदी की गई है। संग्राहकों को समूह के माध्यम से उनकी मेहनत की राशि रूपए 2,05,38,775 का नकद भुगतान किया गया है। स्वसहायता समूह गाँव में संग्राहकों के घर-घर जाकर निर्धारित सामाजिक दूरी और मास्क पहनकर वनोपज का क्रय/विक्रय कर रहे है। घर-घर खुरीदने से वनोपज की गुणवत्ता भी अच्छी है। जिले में सात लघु वनोपज समितियां नारायणपुर, एड़का, सोनपुर, बेनूर, गढ़बेंगाल, फरसगांव और धौड़ाई है। समितियों द्वारा संग्राहकों को कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव और सावधानी की भी समझाईश दी जा रही है।

अब तक खरीदी गई लघु वनोपजों में इमली 6481.40 क्विंटल, हर्रा 195.14 क्विंटल, आंवला 0.25 क्विंटल, महुआ फूल 28.02 क्विंटल, बहेड़ा 36.75 क्विंटल और चरोटा 42.50 क्विंटल की अब तक खरीदी की गई है। उन्होंने बताया कि जिले के वन मंडल का वनोपज् संग्रहण का लक्ष्य 24470 क्विंटल है । जिसके विरूद्ध अब तक 6775 क्विंटल वनोपजों की खरीदी की गई है। जिसका 2,05,38,775 राशि का नकद भुगतान किया गया है। राज्य शासन द्वारा जारी आकड़ों के अनुसार नारायणपुर जिला वनोपज संग्रहण के प्रतिशत में राज्य में पहले पायदान पर है।

वनमण्डाधिकारी श्री डीकेएस चौहान ने बताया कि राज्य शासन द्वारा 15 लघु वनोपजों के अतिरिक्त सात लघु वनोपजों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जानी है। राज्य में 22 लघु वनोपजों की खरीदी की जा रही। नारायणपुर जिले में भी अभी 6 लघु वनोपजों की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर पूरी सावधानी के साथ की जा रही है। हितग्राहियों को नकद भुगतान भी किया जा रहा है।

कोरोना से निपटने भाजपाईयों ने मुख्यमंत्री के नाम अति. कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मुंगेली। वैश्विक महामारी कोविड-19 से उत्पन्न संकट से लोग दैनिक जरूरतो के लिए मोहताज है ऐसे में सामजिक और स्वयंसेवी संगठनों , भाजपा समेत अन्य राजनीतिक दलों द्वारा लगातार चलाये जा रहे राहत कार्यो से इस वास्तविक आपातकाल के समय लोगो को सहायता मिल रही है। शासन-प्रशासन को भी ज्यादा मुस्तैदी के साथ काम करने के लिए निम्न कदम उठाने का आग्रह भाजपा जिलाध्यक्ष शैलेष पाठक ने अतिरिक्त कलेक्टर राजेश नशीने को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन देकर किया गया है।

ज्ञापन के प्रमुख तथ्य

आकस्मिक संकट के समय सबसे बड़ी भूमिका स्वयंसेवी सामाजिक सांस्कृतिक संगठनों, धार्मिक समूहों की होती है. देश में ये संगठन अलग-अलग जगह पर कार्य कर पीड़ित मानवता की सेवा कर रहे हैं. उन्हें शासकीय आदेश द्वारा कार्य करने से रोका गया है। इसे समाप्त कर उन्हें ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित और सम्मानित किये जाये। शासकीय सामग्री पर नेताओं का चित्र का उपयोग न किया जाए। पार्षदों को उनकी निधि से एक लाख रुपया आयुक्त के यहा जमा करने कहा गया है जो उचित नही है जो लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन जैसा है पार्षदों को अपने निधि का स्व-विवेक से उपयोग कर राहत कार्य करने दिए जायें। आम दिनों में जनता के लिए एक-दो रूपये (एपीएल के लिए पच्चस रूपये) किलो चावल देते हैं जबकि ऐसी परिस्थिति, इस बड़े संकट के समय शासन अपना चावल खपा कर गावों से करीब 33 रूपये किलो कीमत वसूल रही है. इसे तत्काल रोका जाय और पंचायतों लिए गए पैसों को उन्हें वापस किये जायें . यह समय ज्यादा से ज्यादा निधि उपलब्ध कराने का है। आदि मांग शामिल है।

वनोपज से मिले दाम ने ग्रामीणों के जीवन में लाई खुशहाली

कोरिया। वनधन विकास योजना के अंतर्गत जिले के ग्रामीणों एवं समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु उनके द्वारा संग्रहित वनोपज का शासन द्वारा उचित समर्थन मूल्य पर क्रय किया जा रहा है। इसके माध्यम से गैर लकड़ी के छोटे वन उत्पाद का उपयोग कर वनांचल क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों एवं स्व सहायता समूहों को आजीविका प्रदान की जा रही है।

कोरिया वनमंडल अधिकारी श्री राजेश चंदेले ने बताया कि जिले में 45 समूहों के द्वारा वनोपज क्रय एवं प्रसंस्करण का कार्य किया जा रहा है। शासन की इस योजना के जरिए वनांचल क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण एवं स्व सहायता समूह आर्थिक रूप से लाभांवित हो रहे हैं। जिले में अब तक कुल 380.95 क्विंटल वनोपज का संग्रहण किया गया है। जिसकी कुल कीमत 5 लाख 97 हजार 126 रूपये है। वनों से प्राप्त होने वाले इन वनोपज में चरौटा 305 क्विंटल, रंगीनी लाख 8.5 कि.ग्रा., हर्रा 8.47 क्विंटल, बहेड़ा 5.40 क्विंटल, नागरमोथा 13.69 क्विंटल, इमली 3.13 क्विंटल, धवई फूल 18.79 क्विंटल, माहुल पत्ता 22.50 क्विंटल एवं महुआ फूल 3.30 क्विंटल शामिल हैं। जिले में संग्रहित वनोपज सामग्री की खरीदी के लिए 24 हाट बाजारों को चयनित किया गया है। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर हाट बाजारों के जरिए समूहों से खरीदी की जा रही है।

पार्षद ने 100 परिवार को दिया राशन

- जिस जनता के आशीर्वाद से सेवक बना संकट में जनता के साथ खड़ा रहूँगा - शादाब खान

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। महादेव वार्ड के पार्षद शादाब खान ने कोविड 19 और लाकडाउन के दौरान वार्ड के दिहाडी मजदूर और गरीब तबके के 100 लोगो को रोजमर्रा के चीज चावल दाल आलू प्याज तेल शक्कर नमक चायपत्ती चावल आटा जैसे घरेलू सामग्री का वितरण किया गया है। लाकडाउन धारा 144 लागू होने के बाद दिहाडी मजदूर और गरीब तबके के लोगो पर बड़ी मुसीबत आन पड़ी है।इस संकट में वार्डवासियों के लिए राशन सामग्री का वितरण शासन प्रशासन द्वारा भी किया जा रहा है।लेकिन विकट स्थिति में गरीबो की स्थिति को देखते महादेव वार्ड के युवा पार्षद शादाब खान ने अपने वार्ड में स्वंय जाकर लोगो के घरो में राशन वितरण कर रहे है।महादेव वार्ड के पार्षद शादाब खान मोनू ने बताया कि कोरोना वायरस की त्रासदी से एक ओर समूचा भारत जूझ रहा है।और वार्ड में अधिकतर दिहाडी मजदूर व गरीब तबके के लोग है।जिनकी आमदनी रोजमर्रा जीवनयापन करने वाली है।और जिस वार्ड की जनता ने मुझे जीतकर सेवक बनाया है।उस जनता जनार्दन का साथ इस संकट में मैं कैसे छोड़ सकता हुइस आशय से मैंने वार्ड के 100 परिवार को रोजमर्रा की राशन सामान का वितरण किया हैं।आगे भी लाकडाउन के चलते सभी जरुरतमंद परिवार को सहायता देने का आश्वासन दिया गया। शादाब खान ने वार्डवासियों से अपील किया है।की कोरोना वायरस से लड़ने हम सभी को शासन प्रशासन के नियमों को मानकर लाकडाउन धारा 144 का पालन करते कोरोना को हराने में सहयोग की बात कही है।

लॉकडाउन से छुट मिलने पर वनोपज संग्राहकों में उत्साह

अम्बिकापुर। वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु लगाए गए लॉकडाउन को लघु वनोपज के भण्डारण एवं परिवहन में छूट मिलने से जिले के लघु वनोपज संग्राहकों में उत्साह देखा जा रहा है। सरगुजा जिले के सात वन परिक्षेत्र में लघु वनोपजों की खरीदी प्रारंभ होने से क्षेत्र के वनोपज संग्राहकों में खुशी की लहर फैल गई है। वन विभाग द्वारा 8 समितियों के माध्यम से वनोपजों की खरीदी संघ द्वारा निर्धारित दर पर किया जा रहा है। अब तक 163 क्विंटल वनोपज की खरीदी समितियों द्वारा की गई है तथा संग्राहकों को 1 लाख 99 हजार 114 रूपए की राशि का भुगतान किया गया है।

थाना प्रभारी मनीष नागर के द्वारा किराना व्यवसाइयों को दी गयी समझाइश

बचेली। 72 घंटे जिले की सीमा सील की गई है। वही लाकडाउन को पहले से ज्यादा सख्त बनाया गया है। आज थाना प्रभारी श्री मनीष नागर सर द्वारा स्थानीय किराना व्यवसाइयों को समझाइश दी गयी है। दरअसल कुछ दुकानदारों द्वारा समय को लेकर लापरवाही बरती जा रही थी एवं दुकाने खुली पाई गई जिसके बाद थाना प्रभारी श्री मनीष नागर ने व्यापारियों को समझाइश दी है की लाकडाउन का पालन करते हुए जिन दुकानदारों को लाकडाउन में आवश्यक वस्तुओं को विक्रय करने हेतु छूट दी गयी है। वो सभी सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक ही अपनी संस्थाने खुली रखे। अपने ग्राहकों से उचित दूरी का पालन करवाये। दुकानों के सामने हाँथ धोने की व्यवस्था या सेनेटाइजर रखे। साथ ही कोई भी बिना मास्क पहने समान खरीदी हेतु आये तो उसे समान देने से मना करे।

भोर होते ही आदिवासी महिलाएं चुनने लगी है 'महुआ फूल'

- आदिवासी परिवारों की आय का जरिया

नवप्रदेश संवाददाता

नारायणपुर। नारायणपुर जिले में भोर होते ही अधिकांश ग्रामीण आदिवासी परिवार की महिलाएं जंगल, देहात, गांव के नजदीक ''महुआ'' पेड़ के नीचे फूल चुनते देखी जा सकती है। जिले में पायी जाने वाली प्रमुख वनोपजों में महुआ भी प्रमुख है। पतझड़ का मौसम शुरू होने के साथ ही महुआ के पेड़ों में फूल आने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। जिले में ज्यादातर ग्रामीणजन खेती-किसानी के बाद खाली है। ऐसे में ग्रामीण आदिवासी परिवार के लोग जिसमें ज्यादातर महिला भोर होते ही महुआ पेड़ तले पहुंच जाती है। महुआ फूल गिरने की शुरूआत हो चुकी है। महुआ के फूल मार्च-अप्रैल में आना शुरू हो जाते है। मई-जून में महुआ में फल आने लगता है। पेड़ के पत्ते, छाल, फूल, बीच की गिरी सभी औषधीय रूप में उपयोगी की जाती है। दूरस्थ अंचल में रहने वाले ग्रामीण परिवार विशेषकर आदिवासी परिवार की आय का मुख्य जरिया वनोपज है, इसमें महुआ का स्थान भी महत्वपूर्ण है। संभाग में भारत सरकार द्वारा जिन सात वनोपजों, चिन्हांकित है, जिसमें साल बीज, हर्रा, इमली, महुआ बीज, चिरौंजी, गुठली, कुसमी लाख और रंगीन लाख शामिल है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सक्ती, जिला जांजगीर चाम्पा (छ.ग.)

क्रमांक/35/भण्डार/न.पा./2020 सक्ती, दिनांक 15/04/2020

// रूचि की अभिव्यक्ति //

नगर पालिका परिषद सक्ती द्वारा नोवेल कोरोना वायरस (COVID-19) के संक्रमण की रोकथाम हेतु लॉकडाउन अवधि में प्रभावित गरीब,मजदूर/जरूरतमंद व्यक्तियों को राशन उपलब्ध कराने हेतु निम्नानुसार राशन सामग्री क्रय करने हेतु निविदाकार/ वितरण सुदाम/व्यवसायी, एजेंसी/चोक व्यापारी से रूचि की अभिव्यक्ति के आधार से बंद लिफाफा में सामग्री की दर नगर पालिका परिषद सक्ती में दिनांक 18.04.2020 समय दोपहर 2.00 बजे तक आमंत्रित किए जाते हैं, रूचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से प्राप्त बंद लिफाफा दिनांक 18.04.2020 को समय सायं 4.00 बजे खोले जावेंगे। (अनुमानित लागत राशि 10.00 लाख रुपए, अनुमानित लागत राशि घट बढ़ सकती है)

क्रमांक	सामग्री का विवरण	दर इंकाई
1	चावल (मोटा)	प्रति कि.ग्रा.
2	चावल (पतला)	प्रति कि.ग्रा.
3	आटा (गेहूं)	प्रति कि.ग्रा.
4	दाल (अरहर)	प्रति कि.ग्रा.
5	सरसों तेल	प्रति लीटर
6	तेल सोयाबीन	प्रति लीटर
7	सस्ती मसाला	100 ग्राम पैकेट
8	पिसी हल्दी	100 ग्राम पैकेट
9	पिसी लाल मिर्च	100 ग्राम पैकेट
10	आलू	प्रति कि.ग्रा.
11	प्याज	प्रति कि.ग्रा.
12	सोयाबीन बड़ी	प्रति कि.ग्रा.
13	साबुन (लक्ष्मण/टेटरा)	प्रति नग 125 ग्राम

निविदा शर्तें शर्तें :- 1. फर्म/ निविदा द्वारा समान दर अपने स्तर के लेटर हेड में दर प्रस्तुत करेंगे (दर के साथ फर्म का पता/संपर्क नंबर भी प्रस्तुत करना होगा तथा जी.एस.टी. क्रमांक प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।) 2. रूचि की अभिव्यक्ति में संबंधित सामग्री की दर प्रति ईकाई में प्रस्तुत किया जावेगा, प्राप्त न्यूनतम दर को स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार मुख्य नगर पालिका अधिकारी/सक्षम प्राधिकारी को होगा। 3. कलेक्टर महोदय/ अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती द्वारा निर्धारित दर से अधिक दर को मान्य नहीं किया जावेगा। एम.आर.पी. से अधिक दर पर सामग्री क्रय नहीं किया जावेगा। 4. बंद लिफाफा खोलने के समय फर्म/निकाय/प्रतिनिधि लॉकडाउन एवं नोवेल कोरोना वायरस (COVID-19) के संक्रमण की रोकथाम हेतु शासन/प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेश/ निर्देश के पालन करते हुए उपस्थित हो सकते है। 5. न्यूनतम दर प्रदाय की जाने वाली सामग्री का अवलोकन किया जावेगा, गुणवत्ता का अध्ययन होने पर दर नियत कर द्वितीय एवं प्रस्तुतकर्ता/फर्म/निकाय को अवसर प्रदान किया जावेगा। 6. न्यूनतम दर स्वीकृत होने पर फर्म/निकाय द्वारा सामग्री का सेम्पल तथा कराना अनिवार्य होगा। किसी भी तरह का सामग्री की गुणवत्ता खराब होने पर तत्काल निरस्त नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। 7. किसी भी प्रकार की विवाद की स्थिति निर्णय होने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी का निर्णय अंतिम एवं मर्यादकर होगा। 8. रूचि की अभिव्यक्ति/प्रक्रिया या अन्य जानकारी प्राप्त करने हेतु कार्यालयीन कर्मचारी श्री रामकुमार साहू (मो.नं. 8770797353) से दूरभाष के माध्यम से जानकारी ली जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सक्ती

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड रायगढ़

निविदा सूचना क्रमांक 3 ता.शा./का.अ./लोस्यायां./ रायगढ़, दिनांक 13.04.2020

निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्रित की ओर से रायगढ़ जिले में निम्नानुसार आर.सी.सी. उच्च स्तरीय जलागार का डिजाईन, निर्माण, परीक्षण व सभी पाईप, वाल्व का प्रदाय एवं फिटिंग कार्य सहित की मूल्यांक एक मुस्त निविदाएं प्रपत्र ''एफ'' में नीचे उल्लेखित कार्य करने हेतु टर्न की जीव के आधार पर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में एकल पंजीयन प्रणाली E-Registration in CGPWD डी'' एवं श्रेणी अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शाए समय सारिणी एवं विवरण अनुसार आमंत्रित की जाती है। निविदाएं केवल रजिस्टर्ड डाक/ स्पीड पोस्ट डाक से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त की जावेगी तथा निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों जो उपस्थित रहना चाहते हैं के समक्ष खोले जावेंगे।

समय सारणी :-

1.1	निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	: 11.05.2020 समय सायं 5.00 बजे तक
1.2	कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	: 12.05.2020 समय सायं 5.00 बजे तक
1.3	निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि/समय (केवल स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक)	: 14.05.2020 समय सायं 5.00 बजे तक
1.4	निविदा खोलने की अंतिम तिथि/समय	: 15.05.2020 समय सुबह 11.00 बजे से
1.5	निविदा प्रपत्र का मूल्य	: रू. 750/-
1.6	कार्य पूर्ण करने की अवधि	: 6 माह वर्षा ऋतु सहित।

कार्य का विवरण :- निर्धारित शेडयूल एवं ड्राईंग डिजाईन के अनुसार नलजल प्रदाय योजनांतर्गत आर.सी.सी. उच्च स्तरीय जलागार निर्माण पाईप एवं वाल्व फिटिंग कल वाशिंग पॉटिंग (सामग्री सहित) टेस्टिंग इत्यादि समस्त संबंधित कार्य -

समूह क्रमांक	कार्य स्थल का नाम	टंकी की क्षमता (कि.लि.में)	स्टेजिंग (मी.में.)	ठेके की अनुमानित लागत (रू.लाख में)	धरोहर राशि
1	ग्राम- खम्हार कोटेकुण्डा, वि.खं.- खरसिया	50 कि.लि.	12.00 मी.	8.28	6250/-
2	ग्राम- लेन्ड्रा, वि.खं.- सारंगढ़	120 कि.लि.	12.00 मी.	12.94	10500/-
3	ग्राम- बिंजकोट वि.खं.- खरसिया	45 कि.लि.	12.00 मी.	7.82	5900/-

यह विस्तृत निविदा का एक भाग है तथा अन्य शर्तें एवं कार्य से संबंधित जानकारी कार्यालयीन समय में आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
रायगढ़ छ.ग.

जी-8005 1/3

न्यूज गैलरी

भारतीय बौध्द सभा ने जरूरतमंदो को बांटा दैनिक उपयोगी समान

रायपुर। भारतीय बौध्द महासभा रायपुर ने जरूरतमंदो की मदद की संस्था के जिला अध्यक्ष प्रकाश रामटेके ने बताया की कोरोना आपदा मे शहर के मोहल्ले मोहल्ले में घुमकर जिनके पास बीपीएल, एपीएल राशन कार्ड तक नही है ऐसे जरूरतमंद परिवारोंको दैनिक उपयोगी सामान जैसे चांवल, आटा, तेल, दाल, हल्दी, मिर्ची, धनिया, आलु, प्याज, साबून वितरण किया गया है. प्रकाश रामटेके ने बताया की 12 अप्रेल से आज तक 250 से 300 परिवारोंको मदद कर दिया गया है और सेवा आगे भी जारी रहेगी साथ ही साथ में लोगों को समझाइस दी गई की शासन प्रशासन का आदेश का पालन करे घर में रहे सुरक्षीत रहे। इस अवसर पर मुख्यरूप से प्रदेश संस्कार प्रमुख सी.डी.खोब्रागड़े, प्रदेश महासचिव भोजराज गौरखेड़े, जिला अध्यक्ष प्रकाश रामटेके, बेनिराम गायकवाड़, राहूल रामटेके, कमलेश रामटेके, अनिल वैद्य, संदीप डोंगरे, दिनेश डोंगरे, अलकेश वासनिक, अकलेश गजभिये उपस्थित थे।

लाकडाउन का किराना व्यापारी ने किया उल्लंघन

रायपुर। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए संपूर्ण प्रदेश में इन दिनों धारा 144 जिला कलेक्टरों द्वारा लगाई गई है। बावजूद इसके लाक डाउन का उल्लंघन करने से लोग बाज नहीं आ रहे हैं। आजाद चौक थाने से मिली जानकारी के अनुसार नारायण केलवानी पिता रमेश केलवानी निवासी रमेश किराना दुकान रामसागरपारा द्वारा धारा 144 का उल्लंघन कर किराना दुकान में ग्राहकों की भीड़ लगाकर सामान बेच रहा था। उक्त मामले में थाने ने 144 का उल्लंघन आरोपी द्वारा किये जाने पर आईपीसी की धारा 188 एवं 269 के तहत अपराध कायम किया है।

तेज रफ्तार कार ने बाईक सवार को मारी टक्कर

रायपुर। लाकडाउन के चलते खाली सड़कों पर तेज रफ्तार वाहन आये दिन दुर्घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। माना कैंप थाना से मिली जानकारी के अनुसार टाटा एस क्रमांक सीजी 04-एमएन 8861 के चालक द्वारा नंदकुमार साहू पिता शोभाराम साहू को शंकराचार्य आश्रम के पास वार्ड नंबर पांच रनचिरई बालोद रोड में बाइक क्रमांक सीजी 24-जे 6772 को अपने लड़के कोमल सिंह के साथ जाते वक्त जोरदार टक्कर मारकर घायल कर दिया अज्ञात टाटा चालक द्वारा बाइक सवारों को टक्कर मारकर घटनास्थल से भागने की जानकारी थाने ने दी है। उक्त घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात टाटा चालक के खिलाफ थाने ने आईपीसी की धारा 279, 337 के तहत मामला कायम किया।

राजधानी की सड़कें सूनी, लॉकडाउन का सख्ती से पालन

जगह-जगह चौक-चौराहों पर पुलिस का पहरा, सब कुछ ठीक रहा तो 20 के बाद मिलेगा कई बिंदुओं पर छूट

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन के बीच जिला प्रशासन द्वारा तीन दिनों की सख्ती का असर अब दिखने लगा है। राजधानी की सड़कें वीरान हैं और सड़कों पर केवल पुलिस की गाड़ियां, एंबुलेंस और माल वाहक वाहनें ही नजर आ रही है। यह सख्ती 19 अप्रैल की शाम 5 बजे तक जारी रहेगा। इसके बाद 20 अप्रैल को समीक्षा बैठक के पश्चात ही यह तय होगा कि रायपुर जिले में कौन-कौन से बिंदुओं पर छूट दी जा सकती है।

देशभर में इस समय लॉक डाउन का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। शायद यही वजह है कि देश में कोरोना का संक्रमण उस तेजी से नहीं फैला जिसका अंदेशा जताया जा रहा था। इसी तरह छत्तीसगढ़ राज्य में भी कोरोना अपना पैर अब तक नहीं पसार सका है। राज्य में भी गिनती के ही मरीज अब तक सामने आए हैं। इसकी भी मुख्य वजह राज्य सरकार द्वारा संक्रमण की आशंका के मद्देनजर लिए गए त्वरित और सख्त कदम है। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश में 19 मार्च से ही कोरोना संक्रमण के मद्देनजर कड़ाई होनी शुरू हो गई थी। इधर राज्य सरकार के मंशानुसार जिला और पुलिस प्रशासन ने भी इस गंभीर समस्या पर सख्ती बरती और प्रारंभ से ही कड़ाई बरती। राजधानी रायपुर में लॉकडाउन की अवधि में यह दूसरा अवसर है जब जिला प्रशासन की ओर से धारा 144 लागू किया गया है। इसके पूर्व भी लॉकडाउन में इसका कड़ाई से पालन कराया गया, जिसकी वजह से रायपुर जिले में संक्रमण का फैलाव लगभग ना के बराबर हुआ। वर्तमान में राज्य को तीन जोन में बांटा गया है। राजधानी रायपुर सहित दुर्ग, राजनांदगांव और न्यायधानी बिलासपुर को ऑरेंज जोन में रखा गया है। यहां संक्रमण का आंशिक अंदेशा है अथवा यहां संक्रमित मरीज सामने आ चुके हैं। इसके बाद कोरबा जिले को रेड जोन में रखा गया है। जिले के कटघोरा में सर्वाधिक मरीज सामने आ रहे हैं। राज्य के शेष जिलों को ग्रीन जोन में रखा गया है, जहां अब तक कोरोना के एक भी मरीज सामने नहीं आए हैं। वर्तमान में जारी सख्ती का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि 20 अप्रैल तक की स्थिति में रायपुर जिले में स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहे। यदि ऐसा होता है तो 20 अप्रैल को होने वाली समीक्षा बैठक में रायपुर जिले में भी कुछ बिंदुओं पर छूट मिलेगी जो जनता के लिए काफी राहतभरी होगी। यही वजह है कि इसका कड़ाई से पालन कराया जा रहा है।

लॉकडाउन का कड़ाई से पालन हो : गृहमंत्री

गृह मंत्री साहू ने दूरभाष पर सभी आईजी और पुलिस अधीक्षकों से की बात

रायपुर। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज अपने रायपुर निवास कार्यालय से सभी रेंज के पुलिस महानिरीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों से दूरभाष पर चर्चा कर 14 अप्रैल से बढ़ाकर 3 मई 2020 तक लागू लॉकडाउन का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान चल रही गतिविधियों की जानकारी ली और कानून व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लॉकडाउन को 20 अप्रैल तक और ज्यादा सख्ती से पालन कराने, जिलों की सीमाओं को सील करने तथा आवश्यक वस्तुओं-दूध, फल-सब्जी, राशन, दवाई आदि की सतत आपूर्ति पर निगरानी रखने तथा आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी एवं अधिक मूल्य पर बिक्री नहीं हो इसके लिए आकस्मिक जांच कराने के भी निर्देश दिए। गृह मंत्री ने कोरोना संक्रमण की रोक थाम के लिए फिजिकल डिस्टेंस का पालन कराने और इसका में लगे डॉक्टरों, नर्सों एवं अन्य कर्मचारियों को पर्याप्त सुरक्षा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सरकारी शराब दुकान बंद होने के कारण कच्ची शराब बनाने अथवा गांजा, चरस आदि नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री होने की शिकायत मिलने पर तत्काल संज्ञान में लेने तथा प्रकरण बनाकर कार्रवाई के निर्देश दिए। गृह मंत्री ने सभी पुलिस अधीक्षकों को कोई भी मजदूर-कामगार भूखा नहीं रहे, इसके लिए राज्य शासन द्वारा जारी की गई गाइडलाइन एवं व्यवस्थाओं का पालन सुनिश्चित कराने, शहरी क्षेत्रों में सामाजक स्तम्भ परिवा में अनावश्यक भीड़ नहीं हो, इस पर सतत रूप से निगरानी रखने और लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान मजदूरों-दिहाड़ी कामगारों को राशन की समस्या नहीं हो, इस बात पर भी ध्यान रखे। साथ ही शहरीरी एवं सुनसान क्षेत्रों में चोरी, लूट की वारदात नहीं हो इस पर भी विशेष ध्यान रखे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य एवं उद्योगों प्रारंभ होने की स्थिति में फिजिकल डिस्टेंस का पालन कराने के निर्देश दिए।

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या माहांत तक हो सकती है कम

■ कोरबा जिले के कटघोरा को किया गया है पूरी तरह से सील

रायपुर। कोरोना संक्रमण के लिए हॉट स्पॉट बन चुके कोरबा जिले के कटघोरा में कल देर रात तीन और मरीज सामने आ गए। राज्य में अब कोरोना पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है, जबकि कल शुरूवार को ही एक्स से 6 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया था। इधर जानकारों का कहना है कि मरीजों के सामने आने का सिलसिला अभी अप्रैल माह के अंत तक तथा मई के प्रथम सप्ताह तक भी जारी रह सकता है। इसमें कोई अचरज की बात नहीं है, शासन-प्रशासन ने मरीजों की बढ़ती संख्या के हिसाब से पूरी तैयारी कर रखी है।

जानकारों की माने तो कोरोना संक्रमण का लक्षण 14 दिन अथवा इसके बाद नजर आता है। इस लिहाज से वर्तमान में जो मरीज सामने आ रहे है, वो इस माह के शुरूआत में ही संक्रमित हो चुके थे, जिनका लक्षण अब जाकर सामने आ रहा है। इसी तरह यदि वर्तमान में कोई व्यक्ति संक्रमित होगा तो इसका लक्षण मार्चत तक दिख गई माह के शुरूआती सप्ताह तक सामने आएगा। हालांकि शासन-प्रशासन ने अपनी पूरी ताकत इस बात पर लगा दी है कि राज्य में अब कोई भी नागरिक संक्रमित न हो, इसके लिए लॉकडाउन के साथ ही राज्य के कई जिलों में धारा 144 लगाकर लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। 19 अप्रैल तक रायपुर के साथ ही दुर्ग जिले में भी धारा 144 लागू है। जानकारों का कहना है कि वर्तमान में जो मरीज सामने आ रहे हैं वो पूर्व में संक्रमित हो चुके थे। अब इन मरीजों के संपर्क में जो लोग आए होंगे वो फिर से 14-15 दिन बाद सामने आएंगे। लिहाजा यह कहना गलत नहीं होगा कि कोरोना संक्रमित मरीजों के सामने आने का सिलसिला अब कम होते-होते अप्रैल माह के अंत तक अथवा मई के प्रथम सप्ताह तक आ सकता है।

मंत्री सिंहदेव ने किया माना में कोरोना इलाज के लिए बनाए गए अस्पताल का निरीक्षण

0-माना स्थित सिविल अस्पताल की बिल्डिंग को कोरोना अस्पताल में किया गया तब्दील

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना में कोरोना वायरस से लड़ने के लिए बनाए गए अस्पताल का निरीक्षण किया।

श्री सिंहदेव ने अस्पताल के निरीक्षण के बाद कहा कि एम्स के बाद अब माना में 100 बिस्तरों का कोरोना अस्पताल तैयार कर लिया गया है। मरीज बढ़ने पर अब एम्स के साथ-साथ यहां भी भर्ती किए जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने विप्रो के संस्थापक का आभार जताया

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी को कोरोना संकट से लड़ने के लिए छत्तीसगढ़ को सहयोग के रूप में दिए 1050 पीपीई किट और 1000 एन-95 मास्क के लिए आभार जताया है। श्री सिंहदेव ने प्रेमजी की ओर से दिए गए इस सहयोग की जानकारी अपने ट्विटर पर साझा कर, धन्यवाद ज्ञापित किया है।

अजीम प्रेमजी ने कोरोना से लड़ने 1050 पीपीई किट और 1000 एन-95 मास्क प्रदेश को दिए

राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस निभा रही है सकारात्मक विपक्ष की भूमिका

रायपुर। कोरोना महामारी के मामले भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा लगातार की जा रही बयानबाजी और स्तरहीन राजनीति पर कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि करोना मामले में सारे मतभेद भुलाकर राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभा रही है । करोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस स्वयं हर कदम पर देश की सरकार के साथ खड़ी रही है। इसके ठीक विपरीत छत्तीसगढ़ में चाहे सहायता राशि देने का मामला हो या करोना टेस्टिंग किट परसनल प्रोटेक्शन इक्विपमेंट किट का सवाल या करोना लैब की स्वीकृति हो, लगातार भाजपा नेताओं ने करोना मामले में नकारात्मक राजनीति करते हुये गैरजिम्मेदाराना बात की है। केंद्र सरकार के द्वारा धान का 2500 रूपए प्रति

क्विंटल दाम देने के मामले की ही तरह करोना मामले में भी भाजपा नेता लगातार छत्तीसगढ़ के हितों के खिलाफही काम कर रहे है। कोरोना महामारी के बाद मोदी जी द्वारा 22 मार्च को जनता कर्फ्यू लगाया गया और 24 मार्च से लाक डाउन किया गया। देश की जीवन रेखा रेलों के बंद हो जाने के कारण पूरे देश में करोड़ों आप्रवासी मजदूर फ्से पड़े हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के लोग बड़ी संख्या में कमाने खाने जम्मू कश्मीर से लेकर देश के दक्षिणी राज्यों तक गए हुए हैं और वहां फंस गए हैं। छत्तीसगढ़ के यह मजदूर प्रदेश में खाने रहने और चिकित्सा सुविधाओं के संकट का सामना कर रहे हैं। इसी तरह देश के अन्य प्रांतों के रहने वाले अनेक लोग गरीब मजदूर छत्तीसगढ़ में आकर इन्हीं कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने ऐसे सभी मजदूर भाइयों को और जरूरतमंद लोगों को मदद पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष के दरवाजे खोल दिए है। 1 लाख 62 हजार 649 मजदूरों को छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री राहत कोष से मदद पहुंचाई गई है।सभी जिलों में और प्रदेश में हेल्प डेस्क बनाई गई है और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी रात दिन मेहनत करके सब को मदद पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

कोरिया जिले के महिला स्व-सहायता समूहों ने दूरस्थ वनांचल में लॉकडाउन में जनजीवन को सामान्य बनाने में की मदद

लोगों को घर बैठे मिल रहा राशन, सब्जियां और दवाईयां

■ लगभग 7 हजार परिवार तक पहुंचाई होम डिलीवरी सेवा

■ विहान' के महिला स्व-सहायता समूहों ने तैयार किए 1.33 लाख से ज्यादा मास्क

■ बैंक सखियों के द्वारा अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में 12.50 लाख रूपए से ज्यादा राशि का भुगतान

रायपुर। लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'विहान' के महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं लोगों को राशन सामग्री वितरित करने, मास्क बनाने और वितरण करने तथा बैंक सखी के रूप में मनरेगा श्रमिकों को मजदूरी, दिव्यांगों और बुजुर्गों को पेंशन भुगतान करने तथा जनधन खातों से आहरण एवं सामान्य लेनदेन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कोरिया जिले में बिहान के 52 स्व-सहायता समूहों की 151 महिला सदस्यों द्वारा 24 लाख रुपए से अधिक राशि के कुल 1 लाख 33 हजार 348 मास्क बनाये जा चुके हैं। इससे जहां जिले के सभी क्षेत्रों में मास्क की आवश्यक आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी हुई है, वहीं महिलाओं को आर्थिक सम्बल भी मिल रहा है। समूहों की महिलाएं लोगों को घर बैठे राशन, सब्जियां और दवाईयां उपलब्ध करा रही हैं, अब तक इन महिलाओं ने लगभग 7 हजार परिवार तक होम डिलीवरी सेवा पहुंचायी है। कोरिया जिले में 'बिहान' के महिला स्व-सहायता समूहों ने 1.33 लाख से ज्यादा मास्क तैयार किए हैं और जिले में बैंक सखियों के द्वारा अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में 12.50 लाख रूपए से ज्यादा राशि का भुगतान किया जा चुका है।

कोरिया जिले के ग्रामीण अंचल के दूरस्थ गाँव में निवासरत परिवारों को बाजार दर पर ही सब्जी, राशन और दवाओं की आपूर्ति भी स्व-सहायता समूह की सक्रियता से सम्भव हुआ है। लॉकडाउन की ऐसी स्थिति में समूह की दीदियों ने शासन की मदद से ''बिहान कोरिया मार्ट'' के द्वारा बिहान घर पहुंच सेवा प्रारंभ की है, जिसके तहत ग्राम पंचायतों के सचिवों के माध्यम से मुनादी कर ग्राम पंचायतवार रोस्टर बनाकर पंचायतों में उनके पहुंचने का दिन निर्धारित किया गया है। कोरिया बिहान मार्ट में जुड़ी दीदियों को शासन के द्वारा पास जारी किया गया है, जिसकी मदद से सेनेटाईजेशन एवं फिजिकल डिस्टेंसिंग (सोशल डिस्टेंस) का ध्यान रखते हुए राशन सामग्री, मास्क, हरी सब्जियों, जरूरी दवाईयाँ इत्यादि घर पर ही उपलब्ध करा रही हैं। अभी तक लगभग पांचों विकासखण्ड अंतर्गत लगभग 100 से ज्यादा पंचायतों में लगभग 7 हजार परिवार तक होम डिलीवरी सेवा पहुंचाई गई है और यह क्रम निरंतर जारी है।

वर्तमान स्थिति अनुसार जब कोई भी घर से बाहर न निकल रहा हो तब भी आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए पैसे होना जरूरी है। लोगों के पास पैसे की उपलब्धता सुनिश्चित करने में बैंक सखी सक्रियता से काम कर रही हैं। अब जबकि सारे आवागमन के साधन ठप्प हो गए हैं तब कोरिया जिले के दूरस्थ वनांचल के गांवों में 41 बैंक सखी-डिजी-पे के द्वारा वित्तीय सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें मनरेगा के श्रमिकों को मजदूरी, दिव्यांगो बुजुर्गों को पेंशन भुगतान और महिलाओं के जनधन खातों से आहरण एवं सामान्य लेने देन शामिल हैं। बैंक सखी घर-घर पहुच कर सेनेटाईजेशन एवं सोशल डिस्टेंस का ध्यान रखते हुए हितग्राहियों को नगद राशि उपलब्ध कराने का कार्य कर रही हैं।

पानी की समस्या : विधायक ने किया कई वार्डों का निरीक्षण

■ जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण का निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय ने आज पानी की समस्या पर स्वयं संज्ञान लेते हुए पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वीर शिवाजी वार्ड और ठक्कर बापा वार्ड का दौरा किया।

विधायक श्री उपाध्याय ने क्षेत्र में आ रही पानी की समस्याओं के निराकरण हेतु आज इन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। वार्ड के शिवानंद नगर, गणेश मंदिर के पीछे का क्षेत्र, शारदा सामुदायिक भवन के आस-पास का क्षेत्र, 30 ब्लॉक,राधाकृष्ण मंदिर गली, विनायक विहार गली सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों का विधायक श्री उपाध्याय ने दौरा किया। विधायक श्री उपाध्याय के साथ ज़ोन कमिश्नर और सम्बन्धित विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। विधायक श्री

उपाध्याय आज प्रातः 7 बजे से ही प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थानीय जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। क्षेत्र में जलसंकट से प्रभावित जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए ज़ोन कमिश्नर से चर्चा की और तात्कालिक व्यवस्था स्वरूप इन प्रभावित क्षेत्रों के लिए टैंकर की व्यवस्था करने को कहा। इसके साथ ही किस प्रकार जल्द से जल्द जनता को पानी उपलब्ध कराया जा सके, इस पर कार्य करने हेतु सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया। आज के इस दौरे में विधायक श्री उपाध्याय के साथ अन्नू राम साहू, ठाऊ लाल साहू, घनश्याम रोहरा, राजू पौनी, दिलीप झा, दिलीप चतुर्वेदी और मोहल्लावासी उपस्थित थे।

संपादकीय

यूपी मॉडल पूरे देश में लागू हो

भारत में कोरोना वायरस से संक्रमण का खतरा कुछ जाहिलों के कारण लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 15000 से अधिक हो चुकी है वही मृतको की संख्या भी बढ़ती ही जा रही है। प्रति दिन लगभग 1000 कोरोना संक्रमित लोगों के मामले सामने आ रहे है। दुसरी बार लॉकडाउन लगाने के बावजूद कोरोना वायरस का संक्रमण फैलता जा रहा है। कोराना संक्रमितों की तलाश करना और उन्हे अस्पताल तक ले जाना पुलिस कर्मचारियों और चिकित्सकों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। पुलिस कर्मचारियों, चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारीयों के उपर हमले की घटनाएं निरंतर हो रही है। जिसकी सिर्फ निंदा ही की जा रही है और ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की चेतावनी देकर सरकार के नुमाइंदे अपने कार्तव्य की इतिश्री कर रहे है। ऐसे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ही है जो ऐसे जाहिलों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्यवाही कर रहे है। पत्थरबाजों और अन्य अराजक तत्वों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मुकदमे दर्ज कराकर उन्हे जेल भेज रहे है। यही नहीं बल्कि उनके द्वारा किए जा रहे नुकसान की भरपाई के लिए भी ऐसे तत्वों के खलाफ कार्यवाही की जा रही है। उत्तर प्रदेश का यह योगी मॉडल तत्काल प्रभाव से पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए तभी डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मचारियों और पुलिस कर्मचारियों पर हमले रुकेंगे। ऐसे जाहिलों को सिर्फ कार्यवाही की धमकी देने से बात नहीं बनेगी। होना तो यह चाहिए कि ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ सीधे देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाए। पूरे देश की पुलिस को खुली छूट दी जाए की वे ईंट का जवाब पत्थर से दें और ऐसे विघ्नसंतोषी तत्वों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें तो भी व्यक्ति लॉकडाउन को तोड़ने की हिमाकत करें उसे गिरफ्तार कर जेल भी ठूंसा जाए। जब तक पूरे देश में कड़ाई पूर्वक लॉकडाउन का पालन नहीं कराया जाएगा तब तक कोरोना के खिलाफ लड़ाई में भारत को सफलता मिलना संदिग्ध रहेगी। ऐसी स्थिति में बार-बार लॉकडाउन बढ़ाना पड़ेगा और देश की अर्थव्यवस्था खराब होगी। देश के जिन राज्यों में जाहिलों द्वारा कोरोना सेनानियों के खिलाफ ज्यादा हमले किए जा रहे है वहां सेना की तैनाती की जानी चाहिए ताकि भारतीय सेना ऐसे अराजक तत्वों को सबक सिखा सकें।

विचार

कोरोना में भी हिंदू-मुसलमान ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

इससे ज्यादा शर्मनाक बात क्या हो सकती है कि कोरोना के मसले को भी हिंदू-मुसलमान का रंग दिया जा रहा है। इंदौर और मुरादाबाद में डॉक्टरों और नर्सों पर जो हमले किए गए हैं, उनकी जितनी निंदा की जाए, कम है। क्या कोई कल्पना भी कर सकता है कि जो लोग अपनी जान खतरे में डालकर आपकी जान बचाने आए हैं, आप उन्हीं पर पत्थर बरसा रहे हैं। यह किसी इंसान का काम तो नहीं हो सकता। यह तो शुद्ध जानवरपना है। ऐसा क्यों हो रहा है ? इसका कारण अफवाहें हैं। गलतफहमियां हैं। भीड़भाने मोहल्लों और झोपड़पट्टियों में ऐसी गलतफहमियां फैला दी गई हैं कि ये डॉक्टर तुम्हारे इलाज के लिए नहीं, तुम्हारी गिरफ्तारी के लिए आ रहे हैं। ये तुम्हें पहले पकड़वाएंगे और फिर इलाज के बहाने ऐसी सुई लगा देंगे, जो या तो तुम्हें नपुंसक बना देगी या मौत के घाट उतार देगी। ये अफवाहें फैलानेवाले लोग कौन हैं ? ये सब लोग जमाती नहीं है। उनमें से कुछ हैं। जमाते-तबलीगी ने देश के मुसलमानों के बीच कोरोना किस रफ्तार से फैलाया, यह सबको पता है। उन्होंने जाने-अनजाने ही देश के मुसलमानों को भयंकर नुकसान तो किया ही, इस्लाम की बदनामी भी की। कुछ मुस्लिम नेताओं और कुछ प्रसिद्ध मुसलमानों ने दबी जुबान से इन तबलीगियों की आलोचना तो की लेकिन उन्होंने कड़ी भर्त्सना नहीं की। यह संतोष का विषय है कि भाजपा की सरकार ने इस सारे मामले को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश नहीं की। मैं देश के मुस्लिम नेताओं, मौलानाओं, काज़ियों, कलाकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों आदि सभी से अनुरोध करता हूं कि इंदौर के सलीम भाई के बेटे और प्रसिद्ध फिल्मी-सितारे सलमान खान की तरह वे हिम्मत करें और दो-टूक बयान जारी करें। जब कोरोना बिना भेद-भाव के सबके प्राण लेने पर उतारु है, तब हम इंसान लोग हिंदू-मुसलमान, ऊंच-नीच, गरीब-अमीर का भेदभाव क्यों कर रहे हैं ? क्या ऐसे राष्ट्रीय संकट के समय में भी हम लोग एकता का परिचय नहीं दे सकते ? ऐसे संकट-काल में ये निराधार अफवाहें सबसे ज्यादा नुकसान किसका करती हैं ? गरीबों का, कम पढ़े-लिखे लोगों का, बेजुबान लोगों का, कमजोर लोगों का ! इसीलिए यह जरुरी है कि वे किसी के बहकावे में न आएं। अपनी बुद्धि से काम करें। अपनी जांच और इलाज के लिए खुद आगे आएं। कोरोना से हम सब मिलकर लड़ें।

टेक ज्ञान- शाओमी ने लॉन्च किया रोबो

शाओमी ने भारत में अपना रोबॉट वैक्यूम क्लीनर लॉन्च किया है। इसकी कीमत 17,999 रुपये है। इस पर 7,000 रुपये का स्पेशल डिस्काउंट है। स्मार्ट वैक्यूम क्लीनर को 2,999 रुपये की शुरुआती EMI पर भी खरीदा जा सकता है। शाओमी ने भारत में अपना एक धांसू प्रॉडक्ट लॉन्च किया है।

भारत में पीपीई की भारी कमी

ठसके उत्पादन बढ़ाने की सख्त जरूरत

ज्ञान पाठक

संक्रामक रोग के प्रकोपों का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए, स्वास्थ्य आपूर्ति प्रणालियों को तेजी से और मजबूती से स्रोत के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए और आवश्यक स्वास्थ्य वस्तुओं को वितरित करना चाहिए, जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए टीके, दवाएं और पीपीई शामिल हैं। कोरोनावायरस महामारी कई उद्योगों में आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर करती है। हाल के वर्षों में देशों ने अपतटीय पीपीई और अन्य उपकरणों का विकल्प चुना है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में 95 प्रतिशत सर्जिकल मास्क और 70 प्रतिशत रेसपीरेटर्स विदेशों से आयात करते हैं। चीन में कोविद-19 के प्रकोप के बीच, कारखाने के शटडाउन और यात्रा पर प्रतिबंध आपूर्ति श्रृंखलाओं पर महत्वपूर्ण टबाव डाला है।

कोविद-19 से लड़ने वाले डॉक्टरों और नर्सों सहित फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों को सामान्य रूप से व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) की वैश्विक कमी है। उनके विशेष रूप से भारत में कोरोनावायरस से संक्रमित होने का सबसे अधिक खतरा है। उनमें से कई संक्रमित हो गए, मर गए, उन्हें लोगों के पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ा। उम्मीद है कि हम उस संकट को दूर करेंगे। पर परेशान करने वाली बात यह है कि आपूर्ति श्रृंखला टूट गई है। अड़चनें जारी हैं। लॉकडाउन ने उन लोगों के लिए चिकित्सा और खाद्य आपूर्ति के दोहरे संकट पैदा किए हैं जिनकी उन्हें सबसे अधिक आवश्यकता है।

पीपीई एक वस्त्र और उपकरण है जो पहनने वाले को संक्रमण के प्रसार से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है। पीपीई के प्रमुख आइटम - जिनमें एन 95 मास्क, सर्जिकल मास्क, गाउन, और गॉगल्स शामिल हैं - स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों के लिए आवश्यक हैं। पीपीई का उत्पादन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले अधिकांश कच्चे माल और इनपुट कम लागत वाले आपूर्तिकर्ताओं को आउटसोर्स किए जाते हैं। इन वस्तुओं के उत्पादन में अक्सर दुनिया भर के विभिन्न निर्माताओं द्वारा उत्पादित कपास फाइबर, पॉलिएस्टर, और पॉलियामाइड जैसे कच्चे माल के आयात की आवश्यकता होती है। उपयोगकर्ताओं को बिक्री के लिए सुरक्षात्मक कपड़ों के निर्माताओं द्वारा संसाधित किया जाता है।

कोविद-19, अब वैश्विक आर्थिक, व्यापार और वित्त के लिए गंभीर खतरा है। महामारी तेजी से पूरे देश में फैल रही है, जिससे लोगों के जीवन और समुदायों पर भारी प्रभाव पड़ रहा है। बढ़ती मांग, आंशिक रूप से पैनिक खरीद, जमाखोरी और पीपीई के दुरुपयोग सामान्य बात हो गई। इसकी मांग ने वैश्विक उत्पादन क्षमता में भारी वृद्धि की है। सर्जिकल मास्क, काले चश्मे, दस्ताने, और गाउन की मांग में नाटकीय वृद्धि ने स्टॉक को कम कर दिया है। भारी मूल्य वृद्धि का संकेत है, और आदेशों को पूरा करने में 4-6 महीने लग सकते हैं। उन महत्वपूर्ण पीपीई उत्पादों को सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुमान लगाया है कि 76 मिलियन दस्ताने और 1.6 मिलियन मेडिकल चश्मे के साथ प्रत्येक महीने 89 मिलियन मेडिकल मास्क आवश्यक हैं। संगठन ने अब तक 47 देशों को पीपीई के लगभग आधे मिलियन सेट भेज दिए हैं, लेकिन आपूर्ति तेजी से घट रही है। बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए, डब्ल्यूएचओ का अनुमान है कि उद्योग को विनिर्माण में 40 प्रतिशत की वृद्धि करनी चाहिए और

उन्होंने सरकारों से आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए शीघ्रता से कार्य करने का आग्रह किया है।

कोविद-19 सप्लाई चेन, बॉटलनेक्स और पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स के बीच 'पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स की ग्लोबल शॉर्टेज' नामक एडीबी के नवीनतम प्रकाशन में, यह कहा गया है कि पीपीई की आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण चिकित्सा कर्मियों में कोविद-19 के तेजी से फैलता है। । यदि पर्याप्त रूप से संरक्षित नहीं किया जाता है, तो स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता जो कोरोनोवायरस के खिलाफ अग्रिम पंक्ति के हैं, रोगियों या सहकर्मियों को संक्रमित कर सकते हैं, और जोखिम के बाद जल्दी से समाप्त होने की आवश्यकता स्वास्थ्य कर्मचारियों को कम कर देती है। चिकित्सा आपूर्ति श्रृंखला अच्छी तरह से काम कर रही है। इन महत्वपूर्ण उत्पादों को सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुमान लगाया है कि 76 मिलियन दस्ताने और 1.6 मिलियन मेडिकल चश्मे के साथ प्रत्येक महीने 89 मिलियन मेडिकल मास्क आवश्यक हैं। संगठन ने अब तक 47 देशों को पीपीई के लगभग आधे मिलियन सेट भेज दिए हैं, लेकिन आपूर्ति तेजी से घट रही है। बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए, डब्ल्यूएचओ का अनुमान है कि उद्योग को विनिर्माण में 40 प्रतिशत की वृद्धि करनी चाहिए और उन्हें सरकारों से आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए शीघ्रता से कार्य करने का आग्रह किया है।

कोविद-19 सप्लाई चेन, बॉटलनेक्स और पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स के बीच 'पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स की ग्लोबल शॉर्टेज' नामक एडीबी के नवीनतम प्रकाशन में, यह कहा गया है कि पीपीई की आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण चिकित्सा कर्मियों में कोविद-19 के तेजी से फैलता है। । यदि पर्याप्त रूप से संरक्षित नहीं किया जाता है, तो स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता जो कोरोनोवायरस के खिलाफ अग्रिम पंक्ति के हैं, रोगियों या सहकर्मियों को संक्रमित कर सकते हैं, और जोखिम के बाद जल्दी से समाप्त होने की आवश्यकता स्वास्थ्य कर्मचारियों को कम कर देती है। चिकित्सा आपूर्ति श्रृंखला अच्छी तरह से काम कर रही है। व्यापार नेटवर्क में प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में चीन से बड़ी आपूर्ति में व्यवधान का दुनिया भर में स्पिलओवर प्रभाव होगा। व्यापार प्रतिबंध और निर्यात प्रतिबंध भी पीपीई उत्पादन और आपूर्ति में तनाव बढ़ाते हैं। दुनिया के अन्य हिस्सों में उत्पादन की सीमित क्षेत्रीय क्षमताएं हैं। उदाहरण के लिए, यूरोप की अपनी क्षेत्रीय क्षमता है जो इस क्षेत्र को एशिया से उत्पन्न होने वाले आपूर्ति के झटके का सामना करने में मदद कर सकती है। हालांकि, यूरोप में उत्पादन क्षमता कोविद-19 के तेजी से प्रसार से जुड़ी मांग में वृद्धि को पूरा करने में समर्थ नहीं है। अमेरिका भी विदेशी उत्पादन पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

- (संवाद)

बेनकाब होते वैश्विक संघठन

डॉ नीलम महेंद्र

परिणाम आज कोरोना से होने वाले संक्रमण और मौतों दोनों में अमेरिका विश्व में पहले क्रम में है। जाहिर है ऐसे हैरतअंगेज समय आर्थिक पहलू महत्वपूर्ण होता है और मानवीय संवेदनाओं के लिए कोई स्थान नहीं होता। यही समझने वाली बात है कि उपर्युक्त सभी संदर्भ महज ही अलग अलग हैं और भिन्न भिन्न वैश्विक संगठनों के हैं जो सामान्य व्यापारिक गतिविधियों में एक दूसरे के पूरक थे परंतु ऐसे समय जब इनके सदस्य देशों को इनकी सहायता की सबसे ज्यादा आवश्यकता थी, ये कार्य की विद्या के समान निष्प्रभावी हो गए, आखिर क्यों? उत्तर हम सभी जानते है। दरअसल इन सभी संगठनों की उत्पत्ति का एकमात्र उद्देश्य समस्त सदस्य देशों के व्यापारिक हित,उनकी अर्थव्यवस्था और नए अवसरों की तलाशतक सीमित था। उग्रनोनावादी और अवसरवादी संस्कृति की यही विडंबना है।

आज पूरा विश्व संकट के दौर से गुज़र रहा है। कोरोना नामक महामारी से दुनिया भर के विकसित कहे जाने वाले देशों तक में होने वाले त्राहिमाम को देखकर आशंका होती है कि कहीं ये एक युग के अंत की शुरुआत तो नहीं. क्योंकि जैसी वर्तमान स्थिति है, इसमें इस महामारी का अगर कोई एकमात्र इलाज है तो वो है स्वयं को इससे बचाना। तो जब तक लॉक डाउन है तबतक हम घरों में सुरक्षित हैं लेकिन जीवन भर न तो आप लॉक डाउन में रह सकते हैं और ना ही कोई देश। इसलिए आवश्यक हो जाता है कि हम पूरे विश्व पर आई इस विपत्ति से कुछ सबक सीखें।

अगर मानव सभ्यता के इतिहास पर नज़र डालें तो मानव ने शुरुआत से ही अनेक चुनौतियों का सामना करके अपने बाहुबल और बौद्धिक क्षमता के सहारे ही वर्तमान मुकाम को हासिल किया है। इस पूरे सफ़र में अगर उसका कोई सबसे बड़ा मित्र था, तो वो था उसका आत्म विश्लेषणात्मक स्वभाव जो उसे अपनी गलतियों से सीखने के लिए प्रोत्साहित करता था। भारत की सनातन संस्कृति के स्वाभानुसार यह विश्लेषणात्मक विवेचन आत्मकेंद्रित ना होकर इसमें सम्पूर्ण प्रकृति एवं मानवता का भी कुशलक्षेम शामिल होता था। और यह संभव होता था उन नैतिक मूल्यों से जो उसे सही और गलत का भेद कराते थे। किंतु समय के प्रवाह के साथ परिभाषाएं बदलीं तो नैतिक मूल्य कहीं पीछे छूटते गए। यह सही है कि आज मानव सभ्यता ने जो मुकाम हासिल किया है वो उसकी अथक मेहनत का फल है, उसके निरंतर प्रयासों का परिणाम है तथा उसकी अनगिनत प्रयोगों की परिणीति है। अवश्य ही उसने कितनी बार हार का सामना किया होगा कितनी ही बार वो मायूस भी हुआ होगा लेकिन आगे बढ़ने की चाह ने उसे अपनी गलतियों से सीखकर एकबार फिर उठने के लिए प्रेरित किया होगा। हाँ ऐसा ही हुआ होगा तभी तो हम स्वयं को कल तक इतिहास में विज्ञान के सर्वोत्तम विकास के दौर में होने का श्रेय देते थे जो आज हमारे लिए अभिशाप बन गया है। कारण कि जो सबसे बड़ी भूल मानव से इस यात्रा में हुई वो ये कि उसका विश्लेषण केवल आत्मकेंद्रित रहा, निज लाभ हानि तक सीमित रहा सर्व हिताए सर्व सुखाये का भाव इससे लुप्त रहा। नैतिक मूल्यों के पतन के साथ ही मानवता और प्रकृति सरंक्षण जैसे भाव इस विवेचना से लुप्त होते गए। परिणामस्वरूप तरक्की की कभी ना खत्म होने वाली मानव की लालसा और विकास की अंधी दौड़ उसे इस वैज्ञानिक युग के उस मोड़ पर ले आई जहाँ वो सुपर कंप्यूटर, रोबोट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, क्लोनिंग जैसे वैज्ञानिक चमत्कारों से उत्साहित हो प्रकृति तक को ललकारने लगा।

परिणाम,आज अमरीका और चीन एक दूसरे को इस वैश्विक महामारी के लिए जिम्मेदार बताने वाले ऐसे बयान दे रहे हैं जिन्हें शायद ही कभी पुष्ट किया जा सके।लेकिन ये बयान इतना इशारा तो कर ही देते हैं कि कोरोना वायरस मानव निर्मित एक जैविक हथियार है। अतः यह समय सम्पूर्ण मानव सभ्यता के लिए आत्मावलोकन के ऐसे अवसर में बदल जाता है जिसमें अनेक प्रश्नों के उत्तर खोजना हम सभी का दायित्व बन जाता है। दरअसल मौजूदा परिस्थितियों में प्रश्न तो अनेक और अनेकों पर खड़े हो गए हैं। उन संगठनों पर भी खड़े हो गए हैं जो विश्व के देशों ने एक दूसरे के सहयोग से आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए अपने अपने आर्थिक पक्षों को ध्यान में रखकर बनाए थे लेकिन संकट की इस घड़ी में इन संगठनों का हर देश अकेला और बेबस खड़ा है। इन संगठनों के औचित्यहीन होने का इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि जब इटली जैसा देश जो यूरोपीय संघ जैसे शक्तिशाली संगठन का सदस्य है,अपने देश में कोरोना से संक्रमित लोगों के जीवन की रक्षा तो छोड़िए मृत्यु उपरांत उनके शवों को सम्मान जनक अंतिम संस्कार का एक सामान्य अधिकार भी नहीं दे पा रहा था, मदद के लिए यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की तरफ आशाभरी नज़रों से देख रहा था लेकिन उसके हाथ निराशा लगी क्योंकि इन संगठनों ने आर्थिक लाभ हानि से ऊपर उठकर कभी सोचा ही नहीं। इस घटना ने जितना इटली को झकझोर के रख दिया उससे ज्यादा उसने यूरोपीय संघ को बेनकाब कर दिया। ब्रिटेन पहले ही इस संघ से बाहर आ चुका है अब इटली के भीतर भी यूरोपीय संघ के विरोध में स्वर उठने लगे हैं।

इसी प्रकार पुनर्विचार का संकट तो विभिन्न देशों की उस वैश्विक अर्थव्यवस्था की सोच पर भी मंडराने लगा हैं जिसमें चीन के एक शहर से शुरू होने वाली एक बीमारी समूचे विश्व की ही अर्थव्यवस्था को ले डूबती है। निश्चित ही कोरोना का यह संकट देशों को अर्थव्यवस्था और आवश्यक वस्तुओं के मामले में एक दूसरे पर अत्यधिक निर्भरता की अपनी अपनी नीति का पुनर्निर्माण कर हर देश को आत्मनिर्भरता के लिए कदम उठाने के लिए प्रेरित करेगा। लेकिन वो संगठन जो सम्पूर्ण विश्व में मानव के स्वास्थ्य के स्तर को बढ़ाने के लिए उपयुक्त दिशा निर्देश जारी करता है, कोविड 19 वैश्विक महामारी के दौरान उस विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका ने तो उसकी विश्वसनीयता पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। एकतरफअमेरिका खुलकर इसकी आलोचना ही नहीं कर रहा बल्कि विश्व भर में इस महामारी को फैलने से रोकने की दिशा में लापरवाही के चलते उसने तो विश्व स्वास्थ्य संगठन को अमेरिका द्वारा दी जाने वाली फंडिंग ही रोक दी है। लेकिन दूसरी तरफ अमेरिका ने कोरोना के संक्रमण फैलने के खतरनाक तरीके और उसकी तीव्र गति से फैलने के बावजूद लॉक डाउन के कारण अर्थव्यवस्था को पहुंचने वाले नुकसान के चलते इसका फैसला लेने में देर कर दी।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

छोड़ के पानी

छोड़ के पानी राधा रानी । कान्हा ओर निहारे। सोंच रही यह बैठी बैठी। कान्हा कितने प्यारे। मेरे दिल के दीवारो पर श्याम तेरी छवि हो। मेरे नैनो के दरवाजे पर कान्हा तेरी तस्वीर हो। बस और कुछ न माँगू तुझसे मेरे मुरलीधर। तुझे हर पल देखु ऐसी मेरी तक़दीर हो।

- श्री मंजू

परिवर्तित ग्रंथों के

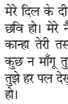

परिवर्तित ग्रंथों के आशय भ्रम बोते उपदेश निरंतर, एक सृजन है एक प्रकृति मगर क्षुद्र सोचों में अंतर । शीश झुके जिस मस्जिद में रोबदारों का अब पहरा है , मठ-मंदिर के दरवाजों पर संत नहीं चोबदार खड़ा है! क़ुफ़्स बनी खुदा की मस्जिद कैदी-से मठ में कृपानिधान हैं । अबकी बार मधुमास मौन है !

- पंकज कुमार बसंत

ख़ास पाती | मन की कजरारी आंखों में

मन की कजरारी आँखों में- बन बसा हुआ काजल कोई। स्तब्ध देखती क्षितिज दूर- आँखें लगती सम नखत कोर। शून्य पुतलियों में सिमटा सम- चंद्र देखता नित चित चकोर। अँखियन तृषित धरा कहती- पिर बरस पड़े बादल कोई। मन की घनघोर घटा के सीने पर- नित गगन दामिनी दौड़ रही। अँधियारे की बंदी हुई रात्रि- ह्रद अरमानों को तोड़ रही। आँखें थककर हुई व्यथित- उम्मीद मिले उदयाचल कोई। मन की सहसा थोड़ी सी छंटी घटा- नभ निशा चंद्र के चेहरे से। लगी झाँकने चमक चाँदनी- छिप अँधियारे के पहरे से। सिहर गया ह्रद अंतर्मन- छू रहा मलय आँचल कोई।

- मिथलेश सिंह

हम हैं चुपचाप वफाओं को निभाने वाले

हम हैं चुपचाप वफ़ाओं को निभाने वाले ...!! उफ़्फ़ की उम्मीद न रक्खें ये ज़माने वाले ....!! दिल में रक्खा है छुपाकर तेरा अरमां मैंने .. क़द्र उसकी तो कर ए दिल को चुराने वाले...!! मेरी आँखों से बहा इश्क़ बना था दरिया ... यूँ भी बादल है ज़रा आग लगाने वाले ..!! रूह हो जाती है तितली से भी हल्की उस पल ... जब महकते हैं तेरे ख़त वो पुराने वाले ...!! आसमाँ वो मेरी परवाज़ का क्या नापेंगे .., हवा के रुख़ पे पतंगों को उड़ाने वाले ...!!

- पूजा बंसल

गुल कहूं गुलनार या खुश्बू कहूं

गुल कहूं गुलनार या खुश्बू कहूं तुम्हें चन्दा की चाँदनी का तसव्वुर कहूं तुम्हें, आँखों के समंदर में उमंगो सी तुम जवां, इस दिल पे लगा इश्क का खंजर कहूं तुम्हें!

- कुलदीप मिश्रा

ऐसे समय जब यह भी नहीं पता कि

ऐसे समय जब यह भी नहीं पता कि कौन मरेगा और कौन जिंदा रहेगा। इंसान बेईमानी नहीं छोड रहा।मिलावट काला बाजारी और सबसे दुखद जो रोटी गरीब के पेट में डालने के लिए सरकार दे रही उसे भी यह नीच लोग खा ले रहे हैं।कहाँ जाओगे इन रोटियों को खाकर? मरोगे तो इस धरती पर ही।कहीं ऐसा न हो तुम मरो और कोई तुम्हें हाथ भी न लगाए। इन पिस्सुओं से नफ़रत नहीं घृणा होती है।

- दिव्या राकेश शर्मा

हम बस कोरोना जैसी जानलेवा बिमारी

हम बस कोरोना जैसी जानलेवा बिमारी से नहीं लड़ रहे बल्कि यहाँ रह रहे जाहिल लोगों से भी लड़ रहे है । ये वो लोग है जो बदबू फैलाने के अलावा कुछ नहीं करते । जानलेवा बिमारी से कम नहीं है ऐसे लोग । इंसान के रूप में हैवानों के बीच रह रहे है हम । शर्मनाक ही नहीं बेहद निंदनीय है ये।-

रूबी प्रसाद

गुरु के वचन को केवल कानों से नही

गुरु के वचन को केवल कानों से नही, मन की गहराई से सुनना, एक-एक वचन को ह्रदय में उतारना और उस पर आचरण करना ही गुरु के वचनो का सम्मान है। पांच पहर धंधा किया, तीन पहर गए सोए। एक घड़ी ना सत्संग किया, "तो मुक्ति कहाँ से होए। **- मोना सेन गुप्ता**

सुनाओ मोहब्बत का तुम गीत कोई-

सुनाओ मोहब्बत का तुम गीत कोई- जहां तक कहोगे वहां तक चलें हम ! जहाँ दर्द को गीत हवाएं सुनातीं - चलो मन हवाओं से चन्दन करें हम । भरे बादलों मे ये रंग नीले--नीले दिये गीत फूलों को, जिसने सजीले यहां प्रेम के जिसने नगमे बिखेरे जरा गीत में उनका वन्दन करें हम।

- कवि अजय सिंह भदोरिया

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) 'तौलिया' किस भाषा का शब्द है?
(क) तुर्की (ख) पुर्तगाली (ग) हिन्दी (घ) उर्दू

2) आधा तीतर और आधा बटेर लोकोक्ति का क्या अर्थ है? (बेमेल चीजों का सम्मिश्रण / अनुपम वस्तु)

3) किस वर्ष में गंगा नदी को राष्ट्रीय नदी घोषित किया गया था?
(क) 2004 (ख) 2008 (ग) 2014

4) हड़प्पाकाल का कौन-सा नगर, तीन भागों में विभाजित था?

5) यह मंदिर किसका और कहाँ स्थित है?

उत्तरमाला- (1) पुर्तगाली (2) बेमेल चीजों का सम्मिश्रण (3) 2008 (4) धौलावीरा (5) तंजावुर का बृहदेश्वर मंदिर जो तंजावुर जिले में स्थित है

आज का इतिहास

नई दिल्ली। 1612 - मुगल बादशाह शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया। 1859 - वर्ष 1857 विद्रोह के नेता तात्या तोपे को फांसी दी गयी। 1906 - सैन फ्रांसिस्को में भूकंप और आग से लगभग 4000 लोगों की मौत। 1917 - महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के लिए बिहार के चंपारण का चयन किया। 1930 - सूर्य सेन उर्फ मास्टर दा और इंडियन रिपब्लिकन आर्मी के 62 लोगों ने चटगांव शस्त्रागार पर धावा बोला। 1948 - नीदरलैंड के हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का गठन हुआ। 1950 - विनोबा भावे ने आंध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) के पचमपल्ली गाँव से भूदान आंदोलन की शुरुआत की। 1955 - महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन हुआ। 1971 - सम्राट अशोक नामक देश का पहला जंबो जेट विमान 747 मुंबई में उतरा।

न्यूज गैलरी

महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की संख्या 3000 के पार

नई दिल्ली (वार्ता)। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और राजस्थान में कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही और इन चार राज्यों में कोरोना संक्रमितों की संख्या 7243 हो गयी है जो देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या का 50 प्रतिशत से अधिक है। इस दौरान केरल में भी सात नये मामले सामने आये हैं जहां पिछले दो दिन से महज एक-एक मामला सामने आ रहा था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 13387 हो गयी है तथा इस महामारी के कारण मरने वालों का आंकड़ा 437 तक पहुंच गया है।

दिल्ली से बाहर जा रहे ट्रक में 37 मजदूर पकड़े गए

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी दिल्ली की पुलिस ने दिल्ली से बाहर जा रहे एक ट्रक को जब्त किया है जिसमें 37 मजदूर सवार थे। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि 16-17 अप्रैल की दरम्यानी रात 1.30 बजे पुलप्रहलादपुर थाना क्षेत्र के एमबी मार्ग पर जांच के दौरान एक ट्रक में 37 मजदूर मिले। ट्रक में सवार सभी मजदूर बिहार के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मजदूरों को दिल्ली से बाहर ले जाने वाला ठेकेदार ब्रजेश (50) भी ट्रक में सवार था। जांच में ब्रजेश ने बताया कि उसने इन मजदूरों को ओखला मंडी और छतरपुर से एकत्र किया है तथा सभी को हरियाणा के पलवल मंडी लेकर जा रहा है।

अमेरिका के अलास्का में तेज भूकंप के झटके

वाशिंगटन (शिन्हुआ)। अमेरिका के अलास्का प्रांत में चिरिकोफ द्वीप पर शुक्रवार को तेज भूकंप के झटके महसूस किये गये है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.5 दर्ज की गई। भूकंप का केन्द्र 56.1278 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 153.5498 डिग्री पश्चिम देशांतर पर 18.6 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

एस टी पी आई में छोटी इकाइयों को किराए में राहत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के प्रकोप और उसके बाद लॉकडाउन से उत्पन्न चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने आज एक बड़ा फैसला लेते हुए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्कों (एसटीपीआई) से संचालित छोटी आईटी इकाइयों को किराये के भुगतान से राहत प्रदान की है। इनमें से अधिकतर इकाइयां या तो टेक एमएसएमई या स्टार्टअप हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने देश के एसटीपीआईपरिसरों में स्थित इन इकाइयों को मार्च से जून तक यानी 4 महीने की अवधि के लिए किराये में छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है।

जांच में तेजी लाने के लिए सरकार कर रही है प्रयास

लॉकडाउन बढ़ाने का निर्णय सही- डब्ल्यूएलओ

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ग्लोबल आउटब्रेक अलर्ट और रेस्पॉन्स टीम के चेयरमैन डेल फिशर ने कोरोना से लड़ाई में भारतीय भूमिका की तारीफकी है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी से लड़ने में भारत जैसे घनी आबादी वाले देशों की सामुदायिक भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुरुवार को बेनेट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कोविड-19: बायोटेक से बचाव और निपटने के लिए वैश्विक ऑनलाइन सम्मेलन में बोलते हुए, फिशर ने कहा कि लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से उठाने का भारत का निर्णय सही दिशा में एक कदम है।

चरणबद्ध तरीके से हटना चाहिए लॉकडाउन

फिशर ने कहा, लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से उठाया जाना चाहिए, क्योंकि वायरस समुदाय (कम्यूनिटी) के माध्यम से फैलता है। उन्होंने कहा कि यदि लॉकडाउन को एक बार में हटा दिया जाता है, तो देश ट्रांसमिशन की उच्च दरों में आने का जोखिम उठाता है। भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के विजयाघवन ने कहा कि लॉकडाउन उठाने के बाद वायरस के फैलने को रोकने के लिए डिजिटल संपर्क ट्रेसिंग एक तरीका है। के विजयाघवन ने कहा कि इससे लोग जहां जा रहे हैं वो इलाका जाने योग्य है या नहीं। मसलन की वहां कोरोना वायरस का संक्रमण कितना है। इससे लोग जान सकेंगे कि सुरक्षित हैं या नहीं। के विजयाघवन ने टेस्टिंग पर जोर देते हुए कहा कि सरकार टेस्टिंग नंबरों पर सख्ती कर रही है और जांच करने वालों की उपलब्धता, टेस्टिंग लैब की संख्या और रिएक्टर आपूर्ति जैसे मुद्दों पर सरकार काम कर रही है। विजयाराघवन ने कहा कि देश में परीक्षण बढ़ाने के लिए हाई थ्रूपुट परीक्षण मशीनों की भी खरीद की है।

खुद बनाने होंगे टेस्टिंग- शॉ

बायोकॉन लिमिटेड की कार्यकारी चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ ने पहले दिन के उद्घाटन सत्र में कहा कि महामारी ने परीक्षण किट विकसित करने में भारत की क्षमता को दिखाया है क्योंकि अभी कुछ समूह उन्हें विकसित करने में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमें टेस्टिंग किट के लिए बहुत सारे एलीमेंट्स को आयात करने की आवश्यकता है। लेकिन हमें किट के हर घटक को स्वदेशी बनाने की जरूरत है और हमने महसूस किया कि हमारे पास वे क्षमताएं हैं।

दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1640 हुयी

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली के लिए कोविड-19 को लेकर गुरुवार भी राहत भरा रहा। आज कोराना संक्रमितों की संख्या में 62 का इजाफ हुआ और कुल संख्या 1640 हो गई। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्रालय के गुरूवार देर रात जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। पिछले 24 घंटों में संक्रमण से छह और लोगों की मौत हो गई।

डॉक्टरों की कहानी जानकर आ जाएंगे आंसू, कहेंगे- 'वाकई आप भगवान हैं'

इंदौर/जयपुर। पूरी दुनिया कोरोना संकट का सामना कर रही है। भारत भी इस संकट से खुद को बचाने कोशिश में जुटा है। देश के जो लोग वायरस से संक्रमित हो चुके हैं उन्हें बचाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। लोगों को बचाने के लिए डॉक्टर अपनी जान पर खेलकर संक्रमित लोगों को इलाज कर रहे हैं। इस कठिन परिस्थिति में देश डॉक्टरों की जान भी जा चुकी है।

मध्य प्रदेश के इंदौर में दो डॉक्टरों की मौत कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते हो चुकी है। वहीं देश के कई अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों में कोरोना का संक्रमण हो चुका है। इन सबके बावजूद देश के कई हिस्सों से ऐसी खबरें आई हैं कि जहां लोगों ने डॉक्टरों के साथ अभद्रता की है। ऐसे लोगों की आंखें खोलने के लिए हम विभिन्न अस्पतालों में ड्यूटी कर रहे कुछ डॉक्टरों की कहानी लेकर आए हैं, जिन्हें जानकर शायद किसी का भी कलेजा पसीज जाए और जुबां से एक ही बात निकलेगी- 'वाकई आप तो भगवान हैं'। आइए जानते हैं कोरोना मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टरों को कितनी मुश्किलें होती हैं। देश के लोगों की जान बचाने के एवज में उन्हें अपनी निजी जिंदगी की कितनी खुशियां कुर्बान करनी होती है।

डॉ. राजेश और उनकी पत्नी डॉ. रीना की कहानी

डॉक्टर राजेश मीणा और उनकी पत्नी डॉक्टर रीना मीणा इन दिनों कोरोना ड्यूटी पर हैं। राजेश जयपुर स्थित सवाई मानसिंह अस्पताल के शिशु रोग विभाग में कोरोना के संदिग्ध मामलों को देख रहे हैं।

एंटीबॉडी रैपिड टेस्टिंग के लिए 67 इंडियन फर्म्स को मंजूरी मिली

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का प्रकोप भारत समेत पूरी दुनिया में फैला हुआ है। भारत में कोरोना संक्रमण की टेस्टिंग में तेजी लाने का काम भी जारी है। इस बीच 67 इंडियन फर्म्स को कोरोना संक्रमण के लिए एंटीबॉडी रैपिड टेस्टिंग किट की टेस्टिंग करने की मंजूरी मिल गई है जिसके बाद देश में कोरोना संक्रमण के मामलों का और तेजी से पता लगाया जा सकेगा। रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट किसी व्यक्ति में कोरोना वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी बन रही हैं या नहीं, इसका पता लगाने का काम करता है।यह सस्ता होता है और इसके नतीजे जल्दी आ जाते हैं, जबकि रियल टाइम पीसीआर की काफी वक्त लगता है। भारत में अभी रियल टाइम पीसीआर से ही टेस्टिंग होती है। आपको बता दें कि रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट स्क्रीनिंग का सबके अच्छा तरीका है। रैपिड एंटीबॉडी टेस्टिंग से 15-20 मिनट में ही इसका नतीजा आ जाता है, जबकि रियल टाइम पीसीआर का नतीजा आने में 2-3 दिन लग जाते हैं। आईसीएमआर पहले ही रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट की इजाजत दे चुका है। इनका इस्तेमाल संक्रमण जोन और प्रवासियों के आइसोलेशन सेंटर में होना है।

कोरोना संक्रमण भारत में लगातार बढ़ रहा है। देशभर में इसके मरीजों की संख्या करीब 13 हजार पहुंच चुकी है जबकि इससे मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़कर 400 के पार हो चुका है। हालांकि 1500 से ज्यादा कोरोना मरीज इलाज के बाद ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं।

महिला ने पुलिस जिप्सी में शिशु को जन्म दिया

नई दिल्ली (वार्ता)। पश्चिमी दिल्ली के खयाला इलाके में रहने वाली महिला ने पुलिस की जिप्सी में एक शिशु को जन्म दिया तथा मां और बच्ची दोनों स्वस्थ हैं। शिवाजी विहार स्थित जनता कालोनी की रहने मिनी अपने पति सुशील कुमार और अन्य परिजनों के साथ कल रात करीब दस बजे खयाला थाना के रघुवीर नगर पुलिस पोस्ट पहुंचे और बताया कि महिला को प्रसव पीड़ा हो रही है और उसे तत्काल अस्पताल ले जाने के लिए वाहन मुहैया कराया जाये। पुलिस पोस्ट पर मौजूद महिला पुलिसकर्मी ने तत्काल पुलिस जिप्सी उपलब्ध करायी। उन्होंने कहा कि महिला को पश्चिम विहार स्थित एक नर्सिंग होम में ले जाते समय रास्ते में महिला ने जिप्सी में एक बच्चे को जन्म दिया।

श्रीलंका ने आईपीएल की मेजबानी की पेशकश की

कोलम्बो (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना के कारण आईपीएल के 13वें संस्करण को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की गुरूवार को आधिकारिक रूप से घोषणा कर दी जबकि क्रिकेट श्रीलंका (एसएलसी) ने इस टूनामेंट की मेजबानी की पेशकश की है। एसएलसी के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने कोलम्बो में कहा, "हमारे देश में भारत के मुकाबले पहले स्थिति बेहतर हो जायेगी। इस स्थिति में हम आईपीएल का आयोजन कर सकते हैं। हम बीसीसीआई को इस बारे में जल्द पत्र लिखेंगे। श्रीलंका में लॉकडाउन भारत के अधिकतर हिस्सों के मुकाबले सख्त है और यहां लगभग चार सप्ताह से कर्फ्यू चल रहा है। श्रीलंका सरकार को उम्मीद है कि वह श्रीलंका से इस वायरस का सफाया कर देगा। यदि यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाता है तो श्रीलंका आईपीएल की मेजबानी के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। हालांकि इसके लिए सरकार की अनुमति की जरूरत होगी। सिल्वा ने कहा, "आईपीएल को रद्द करने से बीसीसीआई और उसके अंशधारकों को 50 करोड़ डॉलर से अधिक का नुकसान हो सकता है। बीसीसीआई किसी दूसरे देश में आईपीएल का आयोजन कर नुकसान को कम कर सकता है। यदि वे श्रीलंका में खेलते हैं तो भारतीय दर्शकों के लिए टीवी पर मैचों को देखना आसान होगा। बीसीसीआई पहले भी दक्षिण अफ्रीका में आईपीएल का आयोजन कर चुका है। उन्होंने कहा, "हम देखेंगे कि हमारे प्रस्ताव का भारतीय बोर्ड क्या जवाब देता है। यदि बीसीसीआई श्रीलंका में आईपीएल खेलने को तैयार हो जाता है तो हम पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं जो मेडिकल प्रोफेशनल की जरूरतों के अनुरूप हो। इससे श्रीलंका क्रिकेट की भी कुछ कमाई हो जायेगी।

मुर्गी पालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास तेज

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद पोल्ट्री उद्योग को लेकर फैली अफ़वाहों से हुए भारी नुकसान के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने घर-आंगन में मुर्गी पालन से देश की ग्रामीण लघु अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास तेज कर दिया है। सरकार ने लॉकडाउन के कारण घरों से बाहर निकालने पर पाबंदी है लेकिन कृषि कार्यों को कुछ छूट दी गई है जिसका लाभ उठाते हुए आईसीएआर ने गांव के गरीब , भूमिहीन , लघु एवं सीमांत किसानों को देसी किस्म के उन्नत नस्ल के चूजे उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है । गरीबों की अर्थव्यवस्था में तुरंत जान फूंकने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से कड़कनाथ , ग्राम प्रिया , राजश्री , श्रीनिधि , असिल और वनराजा नस्ल के चूजे उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मई तक बनाया जा सकता है ओलंपिक के लिए नया रोडमैप

टोक्यो (वार्ता)। टोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने गुरुवार को कहा कि ओलंपिक के लिए नया रोडमैप मई तक बन सकता है। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के कारण ओलंपिक को 2021 तक के लिए स्थगित किया गया था।

ओलंपिक आयोजकों ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ टेलीकांफ्रेंस के जरिए बैठक के बाद कहा कि ओलंपिक के लिए नया रोडमैप मई तक बन सकता है। आयोजकों ने बयान जारी कर कहा कि 2021 में होने वाले ओलंपिक के आयोजन को लेकर तैयारी इस महीने जांची जाएगी और मई तक इसका नया रोडमैप तैयार किया जाएगा। इस बैठक में आईओसी की समन्वय समिति के अध्यक्ष जॉन कोट्स, ओलंपिक खेलों के कार्यकारी निदेशक क्रिस्टोफ डुबी, टोक्यो 2020 के अध्यक्ष योशिरो मोरी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशिरो मुतो शामिल हुए।

कोट्स ने कहा, "हमारा मानना है कि ओलंपिक खेल ऐसी कठिन परिस्थिति में दुनिया के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरा है। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री मोरी ने कहा, "हमें विश्वास है कि आज के कदम से हमने पिछले पांच से छह वर्षों में जो कुछ तैयार किया है उसे आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर सुनिश्चित करेंगे कि ओलंपिक खेलों का आयोजन सफल रहे। आईओसी और जापान संयुक्त रुप से मिलकर ओलंपिक स्थगित होने के कारण पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा करेंगे।

डाक्टर बनना चाहती थीं पूनम ढिल्लों

मुम्बई (वार्ता)। बॉलीवुड में पूनम ढिल्लों ने अपनी दिलकश अदाओं से लगभग तीन दशक तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया लेकिन कम लोगो को पता है कि वह डाक्टर बनना चाहती थी। पूनम ढिल्लो का जन्म 18 अप्रैल 1962 को कानपुर में हुआ। उनके पिता अमरीक सिंह भारतीय वायु सेना में विमान अभियंता थे। पूनम ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा चंडीगढ़ कार्मेल कान्वेंट हाई स्कूल से पूरी की वर्ष 1977 में पूनम ढिल्लो को अखिल भारतीय सौन्दर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिला जिसमें वह पहले स्थान पर रही। इस बीच पूनम ढिल्लों के सौन्दर्य से प्रभावित होकर निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा ने अपनी फिल्म ..त्रिशूल ..में उनसे काम करने की पेशकश की लेकिन पहले तो उन्होंने इस पेशकश को अस्वीकार कर दिया लेकिन बाद में पंजाब यूनिवर्सिटी में कार्यरत उनके पारिवारिक मित्र गार्गी ने उन्हें समझाया कि फिल्मों में काम करना कोई बुरी बात नहीं है।

अनुमान कोविड-19 की वजह से इसमें समय लगेगा लेकिन यह संभव है पटरी पर लौटेगी अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था फिर से सामान्य स्थिति में लौटेगी : अदाणी

नई दिल्ली/नवप्रदेश। अरबपति गौतम अदाणी ने बुधवार को भरोसा जताया कि कोविड-19 के प्रकोप के कारण आई मंदी का सामना करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था फिर से सामान्य हो जायेगी। उन्होंने कहा कि हो सकता है इसमें समय लगे, लेकिन यह संभव है। हमारे भविष्य पर कोविड-19 के प्रकोप के व्यापक प्रभाव के कारण अर्थव्यवस्थाओं, नौकरियों और मानव जाति के अस्तित्व को लेकर वैश्विक चिंताएं स्पष्ट दिख रही हैं। हालांकि, निराशा के बीच, कई छोटी खोजें हैं जो राहत देने वाली हैं। कौन सोच सकता था कि पुणे का एक छोटा-सा स्टार्टअप, मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस, स्वदेशी कोरोनोवायरस टेस्टिंग किट बनाने वाली पहली भारतीय फर्म बन जाएगा? ऐसे समय में जब भारत को किफायती और उच्च-गुणवत्ता वाले टेस्टिंग उपकरणों की सख्त आवश्यकता है, वहीं महीनों में तैयार होने वाले ये किट कुछ हफ्तों में ही बन कर तैयार हैं। इससे भी अधिक प्रेरक कहानी, इस परियोजना का नेतृत्व करने वाली वायरोलॉजिस्ट मीनल दखावे भोंसले की है। बीबीसी की एक रिपोर्ट बताती है कि भोंसले गर्भावस्था के उन्नत चरण में भी काम करती रहीं और इस परियोजना को पूरा करने में कामयाब रहीं, और उनकी बच्ची के पैदा होने से एक दिन पहले ही यह परियोजना पूरी हुई।

ऐसी सैकड़ों असाधारण कहानियाँ हर दिन हमारे इर्द-गिर्द दिखाई दे रही हैं, जो मानवीय जिजीविषा, उम्मीद और शक्ति का प्रतीक हैं। उदाहरण के लिए, बंदरगाह क्षेत्रों को देखें। हर कोई किसी देश में आवश्यक सामानों की आपूर्ति में बंदरगाहों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझता है, जिसके लिए इन स्थलों पर प्रशिक्षित कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है। लेकिन कोई उनकी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करे? विशाखापत्तनम में तो अदाणी पोर्ट के इंजीनियरों की एक टीम ने हमें अचंभित ही कर दिया। उस टीम ने, लगभग 4 घंटों में ही सबके इस्तेमाल के लिए सैनिटाइज्ड वाटर शॉवर बना दिया। ऐसे उदाहरण मेरे भरोसे को हमेशा बरकरार रखते हैं, कठिन वक्त हमें करीब लाते हैं और किसी भी घटना का सामना करने के लिए हमें मजबूती प्रदान करते हैं। इसलिए हमें अपने आसपास देखना चाहिए और ऐसे उदाहरणों का पता लगाना चाहिए।

हाल ही में, मैंने सिविल सेवा में जाने के इच्छुक युवक, नवीन एमएस, के बारे में पढ़ा, जिन्होंने कर्नाटक में ग्रामीण समुदायों के बीच कोरोनावायरस के बारे में जागरूकता पैदा करने और अंधविश्वासों एवं भ्रमों को दूर करने की जिम्मेदारी ली है। चित्रदुर्ग जिले का यह युवक एक सोशल मीडिया समूह का हिस्सा बन गया, जिसने वैश्विक महामारी से जुड़े प्रामाणिक जानकारी तक सीमित पहुंच रखने वाले लोगों की मदद की।

लॉकडाउन का उपयोग करना चाहिए

सोशल मीडिया टाइमलाइन पर या बिल्कुल अपने आस-पास के लोगों को देख कर कई प्रेरक कहानियां मिलीं हैं। समाज के विभिन्न वर्गों के कई परिवारों ने वंचितों के लिए आवश्यक वस्तुओं को उपलब्ध कराने में लॉकडाउन में मिले अपने समय को लगाया है। ये सामान्य लोग हैं जो अपना सीधा-सादा जीवन जीते हैं लेकिन दूसरों की देखभाल करने की उनकी भावना, उन्हें असाधारण बनाती है। घरेलू कामगारों, दिहाड़ी मजदूरों और विभिन्न छोटे-मोटे कामों में लगे लोगों की देखभाल न सिर्फ सरकारें, बड़े कारपोरेशन या पर्याप्त संसाधन कर रहे हैं, बल्कि उनके आसपास रहने वाले आम लोग भी जरूरी देखभाल में मुस्तैदी से लगे हुए हैं। पशु प्रेमियों के लिए काम करने वाले समूह भी हैं जो गली-सड़कों पर रहने वाले आवारा जानवरों को खाना दे रहे हैं और उनके लिए सुरक्षित आश्रय सुनिश्चित कर रहे हैं।

300 लोगों के परिवार को खाना खिलाएंगे अर्जुन कपूर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लागू देशव्यापी लॉकडाउन में 300 परिवार के लोगों को खाना खिलायेंगे। कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए देश में लॉकडाउन चल रहा है और लोग अपने घरों पर रहने के लिए मजबूर हैं। इस दौरान रोजाना कमा कर खाने वाले को सामने बहुत बड़ा संकट खड़ा हो गया है। बॉलीवुड सेलेब्स कोरोना वायरस जैसी मुश्किल घड़ी में एक साथ मदद के लिए आगे आए है।अब इस लिस्ट में ऐक्टर अर्जुन कपूर का भी नाम जुड़ गया है। अर्जुन कपूर लकी विनर्स के साथ वीकेंड के दौरान वर्चुअल डेट पर गए ताकि जो दिहाड़ी मजूदर लॉकडाउन की वजह से कुछ भी कमा नहीं पा रहे हैं, उनके लिए फंड इकट्ठा किया जा सके। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर वर्चुअल डेट का एक वीडियो शेयर किया और लिखा "अच्छे लोगों के साथ वर्चुअल डेट पर।" आप सभी के साथ चैटिंग करके बहुत अच्छा लगा। अर्जुन कपूर ने कहा, "कोरोना वायरस ने हमें अनजाने इलाके में फेंक दिया है। मैं अपने सभी प्रशंसकों का आभारी हूं कि मेरी 5 लकी विनर्स के साथ 30 मिनट की वर्चुअल डेट ने फंड इकट्ठा किया ताकि कई परिवारों को खाना खिलाया जा सके।

हिंसक वन्यजीव के हमले से बचाव के लिये वन विभाग ने बनाई रणनीति

■ लोगों से सावधान रहने की अपील की गई

धमतरी /नगरी। नगरी इलाके के कई गांव में तेंदुआ ने दस्तक देकर ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। आए दिन किसी ना किसी गांव में घुसकर मवेशियों एवं पालतू जानवर का शिकार किया है। यहां तक कि बच्चों को भी निशाना बनाया है। इन सभी हालातों से निपटने एवं वन्य प्राणियों से लोगों की सुरक्षा के लिए वन विभाग ने कुछ स्पेशल रणनीति तैयार की है, जिसमें रात्रिकालीन गश्त, कंट्रोल रूम, गांव में मुनादी एवं लोगो से अपील शामिल है।

वन विभाग के मुताबिक धमतरी जिला वनक्षेत्र होने के साथ-साथ वन्य प्राणी बाहुल्य जिला है। जिले में तेंदुआ, भालू एवं अन्य वन्य प्राणी बहुतायत में पाए जाते हैं। लॉक डाउन से न केवल मनुष्य, वन्यजीव भी प्रभावित हो रहे हैं। इंसानों की गतिविधियां थमने से वन क्षेत्रों का माहौल शांत है। ऐसे में वन्य प्राणी भी स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं, ऐसी स्तिथि में हिंसक पशु नगर, गांव व कस्बे तक पहुंच रहे हैं, इससे वन्यप्राणी मानव द्वंद से क्षति होना भी पाया जा रहा है। एसडीओ जयदीप झा व वन परिक्षेत्र अधिकारी नगरी जीएस. परमार ने बताया गया कि नगरी सहित आसपास के इलाके रतावा, रानीगांव, उमरगांव, सेमरा व देवपुर में तेंदुआ, भालू एवं हिंसक प्राणियों की आवाजाही एवं वन्य क्षेत्रों में अग्नि दुर्घटना की लगातार आ रही शिकायतों को देखते हुए उपवनमंडल क्षेत्रों में रात्रि गश्ती दल गठित किया गया है और मुनादी कराई जा रही है। विभाग ने लोगों से जंगल ना जाने की सलाह दी है। यदि अत्यंत आवश्यक हो तो दिन में ही जंगल जाए, अकेले जंगल ना जाए एवं जंगल में भी स्पेशल डिस्टेंस का पालन करें।

रात्रि गश्त के में इन अधिकारी व कर्मचारी की रहेगी ड्यूटी

उपवन मंडल नगरी रात्रि गश्त के लिए वन परिक्षेत्र अधिकारी जी एस परमार को दल प्रमुख बनाया गया है वही परिक्षेत्र अधिकारी सांकरा एलके सोम, रूपसिंह छत्र नगरी उत्पादन, पस.नगरी गोपाल वर्मा, डौगरडूला बिंदु लाल साहू तुमबाहरा इतवारी राम नेताम, वर.दुरियारा कश्यप कुमार बाक, राजाराम साहू, राजू भारती सांकरा, मुजिद खान को भी दायित्व दिया गया है।

निगम में घटिया मास्क सप्लाई भाजपाईयों ने खोला मोर्चा

धमतरी। कोरोना कोविड-19 से बचाव को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक सुरक्षा के उपाय हेतु सांसद, विधायक आदि की निधियों की राशि को इस महामारी से लडने हेतु उपयोग में लाये जाने का निर्णय लिया है। लेकिन वहीं यह वैश्विक महामारी के नाम पर स्वार्थपूर्ति एवं एक निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पिछले दिनों मास्क एवं सेनेटाईजर खरीदी हेतु नगर निगम महापौर मद से 5 लाख रूपये की खरीदी की गई है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता जो पूर्व में शीर्ष पद पर पदस्थ थे, और उनका मेडिकल से दूर तक नाता नहीं है, उसके माध्यम से यह खरीदी की गई है जिसे लेकर भाजपा के नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है और वे इसकी शिकायत राज्यपाल सहित विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों को करने की मंशा बना ली है। महापौर निधि से खरीदे गये मास्क और सेनेटाईजर को शहर के विभिन्न वार्ड पार्षद, मीडिया कर्मियों को भी दिया गया है। प्रतिनिधि ने शहर के कुछ पार्षदों से निगम द्वारा प्रदाय किये गये मास्क और सेनेटाईजर के बारे में पूछ जाने पर उन्होंने कहा कि जो मास्क दिया गया है वह उपयोग के लायक ही नहीं है। ऐसा लगता है कि जान बूझकर इस तरह का मास्क सप्लाई किया गया है। इनका यह भी कहना था कि एक तरफ पूरा देश कोरोना महामारी जैसे गंभीर बिमारी से लड़ाई लड़ रहा है और ऐसे समय आम जनमानस के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जाना काफी गंभीर है। इस मामले को लेकर भाजपा ने मोर्चा खोल दिया है।

लॉकडाऊन को सहीं तरीके से पालन करवाने शहर में पुलिस का फ्लैग मार्च

धमतरी। कोरोना कोविड-19 को लेकर समूचे देश में चले लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग को अधिक से अधिक अपनाकर इस वायरस से बचने की अपील की जा रही है। इसी तारतम्य में आज कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रजत बंसल व पुलिस अधीक्षक बी पी राजभानू के नेतृत्व में 11 बजे रूद्री चौक धमतरी से फ्लैग मार्च निकाला गया जो कलेक्टोरेट तिराहा, लक्ष्मी निवास चौक होते हुए विंध्यवासिनी मंदिर, सदर बाजार व शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरा जहां विभिन्न व्यवसायियों, समाजसेवियों द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग एवं लॉकडाउन का पालन करते हुए धमतरी जिले को कोरोना वायरस के संक्रमण से अभी तक मुक्त रखे जाने के लिये उनकी व्यवस्था पर दोनों अधिकारियों का पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी गई।

विश्व में कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग एवं लॉकडाउन का सख्ती से पालन करने हेतु आम नागरिकों से अपील की गई है एवं कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं जिसके चलते धमतरी जिले में भी धारा 144 के साथ साथ लॉकडाउन एवं सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार के साथ पुलिस अमला पूरी मुस्तैदी के साथ जुटा हुआ है। इसका पालन कराये जाने हेतु कलेक्टर श्री बंसल एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजभानू के साथ साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों का काफिला कलेक्टोरेट तिराहा से शुरू होकर मुख्य से होते हुए समाप्त हुआ।

जनपद सदस्य निधि जरूरतमंदों तक पहुंचा रहीं राहत सामग्री

महासमुंद। लॉकडाउन से रोज कमाने खाने वाले लोगों के पास भोजन और राशन की समस्या सामने आ रही है। इस समस्या को दूर करने के लिए अनेक हाथ आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे ही जरूरतमंद परिवार के सहयोग के लिए हाथ बढ़ाए हैं महासमुंद जनपद पंचायत के जनपद सदस्य निधि लोकेश चंद्राकर ने। जब से देश में लॉकडाउन हुआ है तब से जनपद सदस्य ने जरूरतमंद परिवारों तक सब्जी व अन्य राहत सामग्री पहुंचा रही हैं। जनपद सदस्य निधि लोकेश चंद्राकर केवल जरूरतमंद लोगों तक राहत सामग्री और सब्जी पहुंचाने ही नहीं नागरिकों को कोरोना वायरस से जागरूक भी कर रही हैं। जनपद सदस्य चंद्राकर ने नागरिकों को सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने व घरों में रहने की अपील भी की है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि संकट की विकट परिस्थितियों में भी क्षेत्र के जरूरतमंद अंतिम व्यक्ति तक राहत सामग्री पहुंचाना मेरी पहली प्राथमिकता है। जनपद सदस्य निधि चंद्राकर के साथ सेवा कार्य में कदम से कदम मिलाकर चलने वाले समाज सेवक लोकेश चंद्राकर ने बताया कि आज उनके अनेक साथी व क्षेत्रवासी जरूरतमंद परिवारों की सेवा करने के लिए आगे आ रहे हैं।

बीसीजी टीका लगने के बाद बच्ची की मौत

महासमुंद। स्थानीय अयोध्या नगर वार्ड-4 में 15 दिन की बच्ची की बीसीजी टीका लगने के बाद मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्ची बीमार थी। सिविल सर्जन आरके परदल ने बताया कि घर पर ही महिला की डिलीवरी हुई थी। बच्ची बीमार थी। दो अन्य बच्चों को टीका लगाया गया था। थाना प्रभारी राकेश खुटेश्वर ने भी बताया कि वार्ड-4 में एक बच्ची की मौत हुई है।

नहीं थम रहा टुल्लू पंप से पानी खींचने का सिलसिला

महासमुंद। गर्मी में नागरिकों को राहत देते हुए नगर पालिका द्वारा शहर में तीन समय पेयजल आपूर्ति की जा रही है। बावजूद इसके वार्डों में टुल्लू पंप से पानी खींचने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। यही कारण है कि अब ऐसे लोगों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने नागरिकों से अपील की है कि नल कनेक्शन में टुल्लू पंप का उपयोग न करें। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि पहले की अपेक्षा अब शहर में अधिक पानी सप्लाई की जा रही है। मानकों के अनुसार प्रति व्यक्ति 126 लीटर पानी दी जानी है, लेकिन इस पालिका द्वारा वर्तमान समय में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 130 लीटर पानी सप्लाई की जा रही है। बाबजूद नागरिकों द्वारा टुल्लू पंप के जरिए पानी खींचा जा रहा है।

कोरोना से बचाव के लिए दवा छिड़काव

घोड़ारी। ग्रामीण स्वच्छता अभियान के तहत आज ग्राम घोड़ारी में कोराना से बचाव के चलते और ग्रामीणों को जागरूक करते हुए दवा का छिड़काव किया गया। ग्राम पंचायत के समस्त प्रतिनिधि, सरपंच प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी, मितानिन व महिला समूह के सदस्यों ने गांव में साफ-सफाई और दवाई का छिड़काव किया। इस अवसर पर सरपंच मीना जोगी निषाद, उपसरपंच तेजेंद्र शर्मा, शिरीष अग्रवाल, पूर्व उपसरपंच जय मालेकर, सुधीर बंजारे, परसराम पटेल, रोजगार सहायक नंदू आदि ग्रामीण शामिल थे।

मानसप्रेमियों ने दी सवा लाख रुपए की आर्थिक मदद

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध मानस व्याख्याकार पवन चंद्राकर ने वर्तमान परिस्थितियों को लेकर छत्तीसगढ़ के मानस मंडली से जुड़े कलाकारों से अनुरोध कर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में आसपास के क्षेत्रों से सरकार की संपूर्ण मदद करने का आह्वान किया और मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान करने की अपील की। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता आलोक चन्द्राकर ने बताया कि आह्वान पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों के करीब 65 मानस मंडली के कलाकारों ने संपूर्ण लॉकडाउन का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री और प्रशासन की बातों का अक्षरशः पालन करते हुए इस वैश्विक महामारी करोना से लड़ने के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपनी गाढ़ी कमाई में से कुल 138615 रुपए का सहयोग राशि दी हैं। उल्लेखनीय है कि मानस मंडली के कलाकार मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं और रोज काम कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

महिला स्व सहायता समूह द्वारा मास्क निर्माण

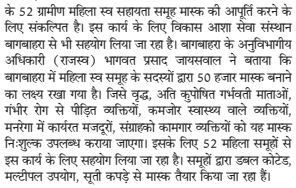

महासमुंद। राज्य में कोरोना (कोविड-19) के संक्रमण को रोकने के लिए मास्क का प्रयोग अनिवार्य किया गया है। बागबाहरा तहसील के 52 ग्रामीण महिला स्व सहायता समूह मास्क की आपूर्ति करने के लिए संकल्पित है। इस कार्य के लिए विकास आशा सेवा संस्थान बागबाहरा से भी सहयोग लिया जा रहा है। बागबाहरा के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भागवत प्रसाद जायसवाल ने बताया कि बागबाहरा में महिला स्व समूह के सदस्यों द्वारा 50 हजार मास्क बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसे वृद्ध, अति कुपोषित गर्भवती माताओं, गंभीर रोग से पीड़ित व्यक्तियों, कमजोर स्वास्थ्य वाले व्यक्तियों, मनरेगा में कार्यरत मजदूरों, संग्राहको कामगार व्यक्तियों को यह मास्क निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए 52 महिला समूहों से इस कार्य के लिए सहयोग लिया जा रहा है। समूहों द्वारा डबल कोटेड, मल्टीपल उपयोग, सूती कपड़े से मास्क तैयार किया जा रहा हैं।

कोरोना पर केंद्र की नाकामी को प्रदेश सरकार ने बखूबी सम्हाला : आफताब

राजनांदगांव। कांग्रेस नेता आफ्ताब आलम ने कोरोना वायरस संक्रमण के चलते प्रदेश की स्थिति को बखूबी सम्हालने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव और प्रभारी मंत्री मो. अकबर की प्रशासनिक दक्षता का ही परिणाम है कि राजनांदगांव कोरोना मुक्त जिला घोषित हुआ है। आलम ने महापौर हेमा देशमुख और कलेक्टर जेपी मौर्य को भी इस सफलता के लिए साधुवाद दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए ठोस उपाय किए गए, जबकि केंद्र सरकार की लापरवाही के कारण कोरोना से स्थिति विपरीत हो गई। बिना तैयारी लॉकडाउन किए जाने से मजदूर और गरीब तबका आज परेशानी से जूझ रहा है।

श्री आलम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जनता को ऐसी कठिन परिस्थिति में सिर्फ दीया जलाने और थाली बजाने जैसे उलुलू-जुलूल फरमान जारी किया था, जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री बघेल ने दीया के बजाय गरीबों के चूल्हा जलाने की चिंता की। यह बहुत दुर्भाग्यजनक है कि प्रदेश के चिकित्सकों के लिए केंद्र द्वारा प्रदेश को मात्र सौ कीट भेजे गए। इसके बावजूद भी प्रदेश की कोरोना वारियर्स ने अपनी जान जोखिम में डालकर संक्रमण को रोकने का प्रयास किया है। नतीजतन प्रदेश की स्थिति आज नियंत्रित है।

महापौर व पार्षद निधि से वार्डों में राहत सामाग्री वितरण कार्य प्रारंभ

राजनांदगांव। कोरोना वायरस संक्रमण से आई गंभीर आपदा की घड़ी में लॉक डाउन के कारण शासन निर्देश के अनुक्रम में प्रशासन द्वारा सर्वे कर गरीब परिवारों को भोजन व राहत सामाग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में ऐसे गरीब परिवार जिसमें बीपीएल परिवार, दिहाडी मजदूर, ठेला खोमचा वाले दुकानों में काम करने वाले श्रमिक एवं राशन कार्ड विहिन व्यक्ति जिनके पास भोजन सामाग्री नहीं है और लॉक डाउन के कारण काम के अभाव में रोजी रोटी की भी समस्या आ गयी है। उन्हें राहत सामाग्री उपलब्ध कराने महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख एवं महापौर परिषद के सदस्यों द्वारा शासन से महापौर व पार्षद निधि से राहत सामाग्री क्रय कर वितरण करने अनुमति मांगी गयी थी। मांग अनुसार शासन द्वारा वार्डो में आवश्यकतानुसार राहत सामाग्री वितरण करने स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के अनुक्रम में निगम द्वारा प्रक्रिया कर राहत सामाग्री का कीट तैयार किया गया।

जिला ग्रामीण कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित

राजनांदगांव। जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पदम कोठारी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम एवं जिले के प्रभारी मंत्री मो. अकबर की अनुशंसा पर जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया है। इसमें 7 उपाध्यक्ष, 15 महामंत्री और 2 प्रवक्ता बनाए गए हैं। साथ ही रूपेश दुबे और अनुराग तुरे को प्रवक्ता बनाया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री कोठारी द्वारा जारी सूची के अनुसार पदाधिकारियों के नाम इस प्रकार हैं। उपाध्यक्ष-भूपेन्द्र सिंह, अंजुम अल्वी, सुजन सिंह पुराम, महेश दास राजे, गुलाब वर्मा, सिद्दिक मेमन, लाल तारकेश्वर शाह, महामंत्री-संजय जैन, पंकज बांधव, गोवर्धन देशमुख, रमेश खंडेलवाल, नरेश शुक्ला, प्रीति भेलस साहू, मिहिर झा, भागवत साहू, राजेश साहू, यशवंत तिवारी, ओम झा, रमेश जैन, रजभान लोधी, अमित देशलहरा, श्रीमती राम छत्री चंद्रवंशी और गुलाब चोपड़ा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

कोरोना संक्रमण-स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का अनुकरणीय प्रयास

आरंग। स्थानीय शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत व्याख्याता हरमन बघेल ने कोरोना संक्रमण के जंग में शामिल योद्धाओं से प्रेरणा लेते हुए लोगो को स्लोगन के माध्यम से कोरोना संक्रमण के खिलाफ लोगो को जागरूक करने का अनुकरणीय प्रयास किया है। व्याख्याता हरमन बघेल स्थानीय प्रशासन से अनुमति प्राप्त कर स्वयं के व्यय से दीवारों में स्लोगन लिख लिख कर लोगो को जागरूक कर रहे है। उन्होने लोगो से अपील भी की है कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करे तथा राष्ट्रहित ,स्वयं का हित लोक हित समझकर इस जंग को जीतने के लिए अपना बहुमुखी सहयोग दे।दीवारों में लिखे स्लोगन को भी आत्मसात कर अपना संकल्प शपथ मानकर इस महामारी रूपी त्रासदी को खत्म करने में योगदान दे।

9520 रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा किए

लवन। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉक डाउन को 3 मई तक बढ़ा दिया गया है एवं धारा 144 यथावत रहेगा। लॉक डाउन के चलते दिहाड़ी मजदूर असहाय लोगों के मदद के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री राहत कोष में धनराशि जमा करने जनप्रतिनिधि के साथ-साथ अब आम जनता भी आगे आ रहे है। भाजपा मंडल लवन के क्षेत्रि केंद्र धाराशिव, सौरा, कैलाशनगर, कुमरदी से बंसीलाल धेलक 2500 रुपये दौलत वर्मा 1020, रामैया यादव 1100 रुपए, जीवन साहू 700, राम सिंह पैकरा 500 रुपये सहित भोलाराम प्रजापति आदि लोगों द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए कुल 9520 रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा किए गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान को छोड़कर...
मंत्रालय द्वारा किया गया। इसका संयोजन डॉ. एकता खंडेलवाल ने किया। इस अवसर पर उप-निदेशक (प्रशासन) नीरेश शर्मा, प्रो. अजॉय कुमार बेहरा और डॉ. अनुदिता भार्गव भी उपस्थित थी। वेबीनार 21 अप्रैल तक चलेगा जिसमें प्रो. बेहरा और डॉ. भार्गव भी अपने अनुभवों को सार्क देशों के चिकित्सकों के साथ साझा करेंगे।

सार्क के चिकित्सकों ने...
प्रो. नागरकर ने एम्स रायपुर की ओर से सभी सार्क देशों को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया और लैब प्रेक्टिस एवं मरीजों के प्रबंधन के बारे में और अधिक जानकारी देने का भरोसा दिलाया।

20 से दौड़ने लगी...
नोवेल कोरोना वायरस संक्रमण नियंत्रण हेतु घोषित लॉकडाउन में चिन्हित जिले, हॉटस्पाट्स के भीतर कंटेन्मेंट जोन को छोड़कर शेष क्षेत्रों में 20 अप्रैल से अतिरिक्त गतिविधियों की अनुमति बाबत अधिकृत किया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने लॉकडाउन को बढ़ाकर इसे 3 मई तक के लिए कर दिया है। इस बीच राज्य को मिल रही छूट से राज्य की अर्थव्यवस्था के गति पकड़ने के आसार हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग...
निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि राज्य शासन द्वारा सम्पूर्ण लॉकडाउन के संबंध में जारी निर्देश पूर्वानुसार प्रभावी होंगे तथा इन अतिरिक्त गतिविधियों को निष्पादित करने की अनुमति हॉटस्पाट्स एवं कंटेन्मेंट जोन में नहीं होगी।

हालत खस्ता फिर भी...
है कि जिस वक्त उत्पादन प्रभावित हुआ. काम बंद रहा, उस वक्त का बिल भी आखिर क्यूं जोड़ा जा रहा है. जबकि सरकार के आदेश के बाद ही यह किया गया था. उरला इंडस्ट्रीज छत्तीसगढ़ मिनी स्टील प्लांट एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल का कहना है- हमारी सरकार से बातचीत हुई थी. हमने अपनी डिमांड रख दी थी। हम हर दिन इसे फ़ालो कर रहे हैं, लेकिन आज तक कोई सकारात्मक जवाब सामने नहीं आया है. 23 मार्च को आदेश मिलने के बाद से ही हमने फैक्टरी बंद कर दिया था, फिर भी बिजली बिल 31 मार्च तक का जनरेट किया गया है। जब हमने सरकार का ही आदेश मानकर फैक्टरी बंद किया है, तो फिर 31 मार्च तक बिल जनरेट करना उचित नहीं है. हमने तीन प्रमुख मांगे रखी है, जिनमें मिनिमम डिमांड चार्जेस, 30 मई तक बिजली बिल के भुगतान की अनुमति देने और लोड फैक्टर की वास्तिक गणना किया जाना शामिल है।

उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन गर्ग ने कहा कि- हम आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं. एक महीने से व्यापार बंद है. पैसे की आवक नहीं है. मजदूरों को भी पैसा देना पड़ा रहा है. बिजली का टैरिफ बहुत ज्यादा होता है। इसकी डेट को आगे बढ़ाए जाने की मांग कर रहे थे। सरकार को हमने अपनी डिमांड भेजी है। सरकार ने निम्न ताप उद्योगों के लिए 30 अप्रैल तक छूट दी है, लेकिन उच्च ताप उद्योगों को राहत नहीं दी है। बड़े उद्योगों में रॉ मटेरियल बिजली होता है। बिजली कंपनी को मिलने वाले राजस्व का करीब 70 फीसदी हिस्सा बड़े उद्योगों से मिलता है, जबकि छोटे उद्योग से महज 25 से 30 फीसदी ही मिल पाता है। मुख्यमंत्री ने हमे वीडियो कांफ्रेसिंग के दौरान आश्वासन दिया था कि हमारी मांगों पर उचित निर्णय लिया जाएगा।

लॉकडाउन में भी...
जारी किए गए हैं, लेकिन वे अर्थव्यवस्था की स्थिति का व्यापक मूल्यांकन करने के लिए बहुत निराश करते हैं। इन सबके बावजूद छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा, असम, कर्नाटक और जैसे राज्य तालाबंदी के बावजूद बुवाई गतिविधि में अग्रणी हैं। खाद्यान्न और बागवानी के उत्पादन में कृषि और संबद्ध गतिविधियों के सभी कार्य निरन्तर तेजी बनी रहने के कारण इन राज्यों में देश के अन्य विकसित राज्यों के मुकाबले आर्थिक विकास की दर काफी अच्छी है।

रिवर्स रेपो दर...
का अनुमान लगाया है। इससे अर्थव्यवस्था को गति मिल सकती है, अब भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है।

नाबार्ड को 25 हजार करोड़ देने का ऐलान : उन्होंने अच्छे मानसून के अनुमान को अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि महामारी के दौर में बैंकिंग क्षेत्र काम कर रहे हैं। उन्होंने नाबार्ड को 25 हजार करोड़ देने का ऐलान किया। हाउसिंग सेक्टर को 10 हजार करोड़ रुपए देने का ऐलान किया गया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरे दौर में है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नकदी की कमी नहीं होने दी जाएगी। रिजर्व बैंक ने देश में कोरोना के बढ़ते मामले पर नजर बनाये रखी है और देश में कामकाज को सुचारु बनाये रखने के लिए कई पहल की है। रिजर्व बैंक ने फिलहाल बैंकों को डिविडेंड बांटने से भी मना कर दिया है।

ग्रामीण अर्थव्यस्था को आगे बढ़ाने की कोशिश

दास ने कहा कि रिजर्व बैंक ने छोटे और मंझोले उद्योगों को धनराशि देने का फैसला किया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, 'मैं उन सभी लोगों के साथ खड़ा हूं जो कोरोना नाम की इस महामारी के दौर में जरूरी सेवा के लिए रोज घर से बाहर निकल कर काम करने जा रहे हैं। मैं उन लोगों को भी धन्यवाद करता हूं जो कोरोना से इस लड़ाई में अपनी चिंता किये बिना लोगों की सेवा कर रहे हैं।'

कोरोना संक्रमितों की संख्या...
यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है। यहां पर अब तक 667801 लोग इससे संक्रमित हुए हैं जबकि 32917 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में इस बीमारी से अब तक 54703 लोग ठीक भी हुए हैं। अमेरिका के बाद सबसे गंभीर रूप से प्रभावित यूरोपीय देश इटली में इस महामारी के कारण अब तक 22170 लोगों की मौत हुई है और अब तक 168941 लोग इससे संक्रमित हुए हैं।

चीन में 4632 की मौत : इस वैश्विक महामारी के केंद्र चीन में अब तक 82367 लोग इससे संक्रमित हुए हैं और 4632 लोगों की मृत्यु हुई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

शांति फाउंडेशन के द्वारा केशकाल घाट के बन्दरों को लगातार उपलब्ध करवाया जा रहा है फल

■ नवप्रदेश ने प्रमुखता से उठाया था भूखे बंदरो की व्यथा को

नवप्रदेश संवाददाता

कोंडागॉव। शांति फाउंडेशन समाज सेवी संस्था के द्वारा भानपुरी से केशकाल व माकडी तक लगातार जन सेवा का कार्य जारी है। इस बिच जितने भी मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति व बेजुबान जानवर दिख रहे है सभी को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पतालों में जहां बल्ड बैंको मे बल्ड की कमी हो रही है वहां फाउंडेशन के द्वारा हर जरूरत मंद व्यक्ति को बल्ड भी मुहैया कराया जा रहा है ताकि इस विकट परिस्थिति मे किसी भी मानव जाती व पशुओं को किसी प्रकार की परेशानियो का सामना न करना पड़े जिसके लिये शांति फाउंडेशन हर संभव कोशिश कर रहा है।

कोविट 19 की वजह से जहां पुरा देश बंद है और गाडीयो की आवा-जाही कम हो जाने की वजह से केशकाल घाट के बंदर जिन्हें मुसाफिरों के द्वारा खाने को कुछ ना कुछ मिला करता था।लेकिन घाट पर मुसाफिरों के न चलने के चलते बंदरो को खाने की समस्या होने लगी थी।जिसकी खबर नवप्रदेश ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था

वन विभाग ने कोई पहल तो नही किया, लेकिन बंदरो के तखलीफ को देखते शांति फाउंडेशन आया आगे: जिस पर वन विभाग ने कोई पहल तो नही किया, लेकिन बंदरो के तखलीफ़ को देखते शांति फाउंडेशन के द्वारा एक पिक अप खिरा, केला, चना, बिस्कुट आदि केशकाल घाट पहुच कर सभी बेजुबान बंदरो को फल खिलाया गया वही संस्था के अध्यक्ष यतिन्दं छोटू सलाम ने कहा कि लोगो की मदद से आगे भी लगातार वे पशुओ को भोजन उपलब्ध करवाते रहेंगे।वही सभी से उन्होंने निवेदन किया है कि इस विकट परिस्थिति मे हम सभी को साथ में लडना है और साथ ही हमारे समाज व प्राकृति की सुन्दरता हमारे बिच रहने वाले बेजुबान जानवरों से ही है यह यह ग्रह केवल मनुष्यो का ही नही है अपितु निवासरत अन्य जीव जंतुवो को भी बचाना है। यतीन्द्र सलाम ने कहा कि शान्ति फाउंडेशन के द्वारा हर जरूरत मंदो को हर संभव मदद करने का प्रयास किया जा रहा है जिसमे आप सभी भी एक कदम आगे आये।

इस नेक कार्य मे केशकाल थाना प्रभारी देवेन्द्र दरों एवं स्टॉप शामिल रहे साथ ही शांति फाउंडेशन से ललित दहिया, नवरत्न टाक, यतिन्दं छोटू सलाम, मो.शकिल सिद्दीक, हर्स लाहोटी सभी मौजुद रहे ।

■ न्यूज गैलरी

सुन्नी जमात के मुसलमानों ने सीएम सहायता कोष में दिया योगदान

बचेली। अहले सुन्नत वल जमाअत हनफ़ी जमा मस्जिद के सुन्नी मुसलमानों ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51786 रुपयो का चेक आज जिला कलेक्टर श्री टोपेश्वर वर्मा की के सुपुर्द किया इस दौरान समाज के सचिव फखरे आलम सर ,खजांची मोहम्मद मुश्ताक ,शेख सलीम,शेख मिनाजुद्दीन ,आफ्ताब आलम,शादाब खान,मौजूद रहे। समाज के सचिव फखरे आलम सर ने बताया की इस संकट की घड़ी में सभी धर्म के लोगो को एकजुट होकर इस महामारी से लड़ना होगा। हमारे मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल जी द्वारा छत्तीसगढ़ में कोरोना वाइरस को लेकर जो तैयारियां एवं सावधानियां बरती जा रही है काबिले तारीफ है। बचेली सुन्नी जमात के लोग जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,सहित प्रत्येक उस व्यक्ति को सलाम करता है जो कि इस लड़ाई में अपना योगदान दे रहा है। इस आर्थिक सहयोग में समाज के सभी लोगो का महत्वपूर्ण योगदान रहा समाज के लोगो का आभार प्रकट करता हु।

अभद्रता करने पर चौकी प्रभारी लाइन अटैच

कोरबा। रजगामार के साप्ताहिक बाजार में पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक कमलेश शेंडे ने सब्जी बेचने वाले व्यापारियों व वहां मौजूद आम लोगों के साथ फिजिकल डिस्टेंस बनाए रखने के नाम पर जमकर अभद्रता की। लिहाजा, चौकी प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चौकी प्रभारी ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को गिरा दिया। इसकी वजह से साप्ताहिक बाजार में कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति निर्मित हो गई। पहले से ही लोग लॉकडाउन की वजह से घरों में बंद हैं। सब्जी खरीदने के लिए समय निर्धारित किया गया है, इसकी वजह से लगभग सभी जगह बाजारों में सब्जी खरीदी के लिए भीड़ लग रही है। रजगामार बाजार में भी भीड़ लगी थी, यह देख चौकी प्रभारी भड़क गए और दुर्व्यवहार करने लगे। केवट समाज के राजगामार अध्यक्ष गणेश केवट ने आरोप लगाया है कि उनके साथ भी धक्का-मुक्की की गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा ने तत्काल प्रभाव से चौकी प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया है। उनका कहना है कि मामले की जांच पूरी होते तक प्रभारी लाइन में ही रहेगा।

तालाब में मिला सात माह के नवजात का शव

कोरबा। जिले के लिमडीह गांव के तालाब में 7 माह के नवजात का शव मिला है। उरगा पुलिस ने प्रथम सूचना के आधार पर 174 सीआरपीसी के अंतर्गत मर्ग कायम किया है। पंचनामा के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उरगा पुलिस थाना के निरीक्षक ने इस बारे में जानकारी दी है कि आज सुबह सात बजे के आसपास कुछ लोगों ने अपने गांव के तालाब में एक अपरिपक्व बालिका के शव को देखा। अनुमान है कि नवजात की उम्र 7 माह के आसपास होगी। लोगों ने इस बारे में डायल 112 को सूचना दी जिसके बाद टीम ने वहां पहुंच स्थिति का जायजा लिया। जन सामान्य से इस बारे में आवश्यक पूछताछ की गई। किसी खास निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सका है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टि में मामला संदिग्ध लगता है इसलिए मर्ग कायम किया गया है। इस सिलसिले में भ्रूण हत्या से संबंधित धारा 318 आईपीसी भी जोड़ी जाएगी और इस आधार पर आगे की जांच पड़ताल की जाएगी।

हमाल न मिलने से 28 सोसाइटी में नहीं पहुंचा चावल

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। कोरोना के डर और लॉकडाउन के कारण गोदाम में चावल भंडारण के लिए हमाल नहीं मिल रहे हैं। जिले की 28 राशन दुकानों में मई माह के चावल का भंडारण अब तक नहीं हुआ है। दुकानों में दो माह का चावल एक साथ भंडारित करना था। एकमुश्त चावल नहीं मिलने के कारण हितग्राहियों को चावल के लिए दुकान का चक्कर लगाना पड़ रहा।

लॉकडाउन जैसी विषम परिस्थिति में लोगों को चावल से वंचित होना पड़ रहा है। दो माह का चावल एक साथ प्रदाय करने के पीछे शासन की यह मंशा की थी कि लोगो को लॉकडाउन के दौरान राशन की समस्या न हो। साथ ही लॉकडाउन बढ़ने की परिस्थिति में लोगों को चावल के लिए दुकान के सामने कतार लगानी न पड़े। वेयर हाउस गोदाम में चावल भंडारित हो चुका है। चावल को गोदाम से उचित मूल्य दुकान ले जाने के लिए हमालों की प्रतिदिन आवश्यकता पड़ती है। इसके अलावा नमक, शक्कर लेकर बाहर से आने वाले ट्रकों से सामान उतार कर गोदाम में रखना होता है। कोरोना लॉकडाउन के कारण हमाल गोदाम तक नहीं आ पा रहे हैं। रजगामार गोदाम के अलावा कटघोरा व पाली गोदाम की भी यही दशा है। गोदाम के आसपास श्रमिक बस्ती से आने वाले हमाल ही इन दिनों काम कर रहे हैं। पर्याप्त संख्या में हमालों के नहीं पहुंचने के कारण दुकानों तक राशन नहीं पहुंच पा रहा है। काम के बाद वापस घर जाने वाले हमालों को रास्ते में कई तरह की बंदिशों का सामना करना पड़ता है। हमालों के लिए पास जारी नहीं किए जाने के कारण उन्हें गोदाम तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। इधर राशन दुकान में लोगों एकमुश्त चावल से वंचित होना पड़ रहा है। कटघोरा जैसे कोरोना संक्रमित संवेदनशील जगह में लोगों के लिए दो माह का राशन समय रहते भंडारित नहीं होने के कारण अभी भी कई परिवारों को नहीं मिल पाया है। बहरहाल अब भंडारण के बाद हितग्राहियों को उनके घर पहुंचाकर चावल दिया जा रहा है।

मुसीबत के वक्त में चना नहीं

टीयर दिनों में प्रत्येक परिवारों को चना दिया जाता था। गोदाम में चना की आपूर्ति शासन स्तर से नहीं होने के कारण मई माह में एक भी दुकान को प्रदाय नहीं हुआ है। लोगों की मानें तो लॉकडाउन की स्थिति में चना नहीं मिलना विडंबना बनी हुई। आवंटन को ऐसे समय में बंद किया गया जब वास्तव में लोगों को इसकी जरूरत है। संवेदनशील क्षेत्र जैसे कटघोरा और छुरी सील होने के कारण लोगों को जरूरी सामान के लिए बाहर निकलना मुश्किल है। लोगों को मोबाइल काल से सामान उपलब्ध हो रहा है।

कहां कितने दुकानों में भंडारण शेष

ब्लॉक	दुकान
कोरबा शहरी	4
कोरबा ग्रामीण	7
करतला	17
कटघोरा	00
पाली	00

शांतिनगर के पास बेपटरी हुई मालगाड़ी के चार डिब्बे, कोयला पार करने जुटे चोर

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। एसईसीएल की खदान से कोयला लोड कर प्लांट जाने निकली एक मालगाड़ी के चार डिब्बे दीपिका के मुख्य रिहायशी क्षेत्र में क्रॉसिंग के पास पहुंचने के साथ पटरी से उतर गए। इससे मुख्य मार्ग बाधित हो गया। इस घटना में एसईसीएल को लाखों के नुकसान का अनुमान है। घटना के बाद यहां बड़ी संख्या में आसपास के लोग कोयला ले जाने के लिए जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस और रेलवे का अमला पहुंचा।

जानकारी के अनुसार आज सुबह 7 बजे यह घटना हुई। एसईसीएल की गेवरा माइंस के साइलो से मालगाड़ी के वैगन लोड किए गए। इसके बाद इसे गंतव्य के लिए रवाना किया गया। कुछ दूरी तक पहुंचने के बाद ही मालगाड़ी के चार डिब्बे शांति नगर दीपका रेलवे क्रॉसिंग के पास आउट ऑफट्रैक हो गए। मालगाड़ी की इस दशा को देख लोको पायलट ने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाया इसके साथ ही ऑपरेटिंग सिस्टम से जुड़े दल को इसकी जानकारी दी। कुछ देर में तकनीकी अमला यहां पहुंचा। रेलवे की रेस्क्यू टीम ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके साथ ही काफी संख्या में आसपास के लोग यहां गिरे कोयला को चोरी करने के उद्देश्य से आ जुटे। एसईसीएल की ओर से पुलिस को सूचित करने के बाद दीपिका के पुलिस थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ यहां आए तब कहीं जाकर चोरों ने यहां से अपनी दूरी बनाई।

रेलवे की रेस्क्यू टीम कर रही रिकव्हरी: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की आपदा और बचाव टीम को मौके पर भेजा गया। एसईसीएल की ओर से इस बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया था। जल्द ही रेस्क्यू टीम गेवरा भेजी गई। टीम ने अपने यांत्रिकीय कौशल के माध्यम से यहां पर कामकाज प्रारंभ कर दिया। उतरे हुए पहियों को वापस ट्रैक पर लाने की कोशिश जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि प्लानिंग के तहत यह काम समय पर पूरा कर लिया जाएगा।

आवाजाही को बेहतर करने किया काम

मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण मुख्य मार्ग पर चक्काजाम की स्थिति बनी। आवाजाही पर प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि पीछे से वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध है। आज आवाजाही इसी से होती रही। दुर्घटना के दौरान जो परिस्थिति पैदा हुई है। उसे दोपहर 12 बजे तक सामान्य कर लिया जाएगा।

–अविनाश सिंह, निरीक्षक दीपका

कोविड 19 संक्रमण को देखते प्रशासन ने गुटखा गुड़ाखू तम्बाकू पर लगाए प्रतिबंध

कांकेर। कोविड 19 संक्रमण को देखते प्रशासन ने गुटखा गुड़ाखू तम्बाकू पर प्रतिबंधित आदेश जारी किया गया है।आदेश मिलते ही शुक्रवार को नगरपालिका राजस्व विभाग की टीम ने शहर के किराना दुकानों में दबिश देंना शुरू कर दिया है।दोपहर में नया बस स्टैंड पुराना बस स्टैंड सहित नगर पालिका के अंतर्गत आने वाले अलग अलग इलाकों में किराने की दुकान में दबिश देकर पूछताछ किया गया ।वही कुछ दुकान में पान मसाला जृर्दा गुटखा तंबाकू पाया गया ।जिसे जब्त कर प्रशासनिक कार्यवाही किया गया है।इस दौरान नगरपालिका के कमरूद्दीन खान आरआई ओंकार मंडावी सहित उनकी टीम मौजूद रही ।

कोर कमेटी की बैठक में कलेक्टर ने दिया निर्देश मास्क नहीं लगाने पर लगेगा जुर्माना

कांकेर। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए शासन द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को घर से बाहर सार्वजनिक स्थलों में निकलते समय मास्क अथवा फेस कवर पहनना अनिवार्य किया गया है, इसके लिए बाजार में मिलने वाले ट्रिपर लेयर मास्क का प्रयोग किया जा सकता है अथवा होम-मेड तीन परतों वाला फेस कवर बनाया जा सकता है। इस होम मेड मास्क, फेस कवर को साबुन से समई से धोकर पुनः प्रयोग में लाया जा सकता है। मास्क, फेस कवर उपलब्ध न होने की स्थिति में गमछा, रूमाल, दुपट्टा इत्यादि का भी फेस कवर के रूप में मुंह एवं नाक को पूरी तरह से ढ़ंकने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इसे पुनः उपयोग करने के पूर्व साबुन से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए। कलेक्टर श्री के.एल. चौहान ने जिले के लोगों से अपील किया है कि घर से बाहर सार्वजनिक स्थानों में निकलते समय मास्क अथवा फेस कवर आवश्यक रूप से पहन लें, ऐसा नहीं पाये जाने पर संबंधित व्यक्ति पर विधिक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सार्वजनिक स्थलों में बिना मास्क, गमछा अथवा रूमाल पहने व्यक्तियों पर जुर्माना लगाया जाय।

विक्षिप्त महिला को मिली तत्काल पुलिस की मदद

■ शांति फाउंडेशन के माध्यम से दी गई तात्कालिक सहायता

कोण्डागांव। बेघर, निराश्रित, असहाय लोगो के लिए पुलिस प्रषासन एक भरोसमंद मददगार के रुप में हमेषा खड़ी होती है। इसी का उदाहरण पेश करते हुए पुलिस का मानवीय चेहरा आज लोगों के सामने उजागर हुआ जब भुमका नाला के पास एक मानसिक विक्षिप्त विवस्त्र महिला के घूमने की सूचना पुलिस को मिली और तो उनके द्वारा शांति फाउंडेशन की मदद से ताकालिक सहायता उपलब्ध कराया गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार इससे पूर्व उक्त महिला को असहाय अवस्था में भटकते हुए ग्राम जोबा के समीप भुमका नाला के पास इलाके में पदस्थ फॉरेस्ट गॉर्ड खिलावन दास मानिकपुरी के द्वारा देखा गया और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना शांति फौंउडेशन को देकर इसकी मदद करने को कहा। जिस पर शांति फाउंडेशन के सदस्यों ने इसकी खबर कोण्डागांव थाना प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक बालाजी राँव सोमावार को दी। मौके पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कोण्डागांव थाने की एक टीम घटना स्थल रवाना की गई जहां महिला एसआई नमिता टेकाम के नेतृत्व में बसंती नेताम, अजय बघेल एवं अरुण मण्डावी और शांति फाउंडेशन के यतेन्द्र छोटू सलाम, मो.शकिल सिद्दीक, पवन सिंह ठाकुर ने मौके पर पहुंचकर उक्त विक्षिप्त महिला को भोजन-वस्त्र इत्यादि उपलब्ध कराया गया।

महिला के परिजनों की तलाश जारी

कोण्डागांव थाना प्रभारी ने इस संबंध में बताया कि हमें जैसे ही महिला के विषय में ज्ञात हुआ तो पुलिस टीम द्वारा शांति फाउंडेशन के साथ जाकर मानसिक रूप से अशक्त महिला की तत्काल मदद की गयी साथ ही उसकी स्वास्थ्य जांच भी कराई जा रही है। अभी महिला के परिजनों की तलाश जारी है और परिजनों के मिलने पर महिला को उन्हें सौप दिया जाएगा।

एक मुश्त दो माह का नि:शुल्क राशन मिलने से गरीब परिवार हुए चिंतामुक्त

कोरिया। कोरोना वायरस के संक्रमण से उत्पन्न संकट के इस समय में प्रदेश के मुखिया श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार की छत्तीसगढ़ में किसी को भूखा नहीं सोने देने की प्रतिबद्धता का पालन करते हुए लॉकडाउन के दौरान कोरिया जिले में खाद्य विभाग द्वारा जिले के पांचों विकासखण्ड में संचालित 349 शासकीय उचित मूल्य के माध्यम से जिले के कुल 1 लाख 37 हजार 203 बीपीएल परिवारों दो माह का नि:शुल्क राशन वितरण किया जा रहा है। साथ ही 27 हजार 287 एपीएल परिवारों को 10 रूपए की दर से अप्रैल माह का चावल वितरण किया जा रहा है।

राधारानी के हौसले को देख हर कोई कर रहा जज्बे को सलाम

कोरबा। कोरोना से लड़ेंगे नहीं तो जीतेंगे कैसे, डर के आगे जीत है, मेरा हाथ टूटा है हौसला नहीं, हर कीमत पर कोरोना से जीतना है। राधा रानी विश्वास के इस जज्बे का कोई सानी नहीं है। कटघोरा में जब संक्रमितों की संख्या बढ़ी तो रायगढ़ के चपले से कटघोरा आने वाली मेडिकल लैब टेक्निशियन ने किसी भी स्थिति में कोरोना को हराने का हौसला दिखाया है। राधा रानी का यह साहस अन्य स्वास्थ्य कर्मियों और कोरोना की जंग में लगे अधिकारी-कर्मचारियों के लिए भी बड़ी प्रेरणा बन रहा है।

उल्लेखनीय है कि जब कटघोरा में संक्रमितों की संख्या बढ़ी तो कम समय में अधिक लोगों के कोरोना की जांच के लिए सैंपल लेने का काम स्वास्थ्य विभाग ने तेज किया। आसपास के जिलों से प्रशिक्षित लैब टेक्नीशियनों को भी यहां बुलाया गया। ऐसे में रायगढ़ जिले के चपले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ लैब टेक्नीशियन राधा रानी विश्वास भी कटघोरा पहुंची। राधा रानी का दो महिने पहले ही दुर्घटना के कारण हाथ की हड्डी में राड डालने का ऑपरेशन हुआ है और वे अभी पूरी तरह से ठीक भी नहीं हुई है। छत से गिरने के कारण उनकी सीधे हाथ की कोहनी के ऊपर की हड्डी बुरी तरह से टूट गई थी। एक बार ऑपरेशन कर उसे जोड़ने का असफल प्रयास डॉक्टरों ने किया था। उसके बाद दूसरे ऑपरेशन में दो महीने पहले राधा रानी के हाथ में लोहे की राड डालकर हड्डी को जोड़ने का उपचार किया जा रहा है। आज भी राधा रानी अपने बाएं हाथ से सहारा देकर दाहिने हाथ से कोरोना संदिग्धों का गले और नाक का सैंपल ले रही है। कोरोना से डर नहीं लगता पूछने पर राधा रानी का जोशीला जवाब निश्चित ही आसपास के लोगों में नई ऊर्जा और हौसला भर देता है। डरेंगे तो लड़ेंगे कैसे और लड़ेंगे नहीं तो जीतेंगे कैसे, डर के आगे जीत है के फॉर्मूले पर काम करने वाली इस महिला लैब टेक्नीशियन ने कटघोरा में अब तक डेढ़ सौ से दो सौ लोगों के सैंपल लिए हैं। इन्हें कोरोना टेस्टिंग की सैंपलिंग के लिए रायगढ़ के मेडिकल कॉलेज में ट्रेनिंग दी गई थी। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीबी बोडे भी अपनी इस सहयोगी के विशेष कायल हैं। वे कहते हैं कि बाहर से आकर कटघोरा में विपरीत परिस्थितियों में अपनी जान की परवाह किए बिना काम करने वाले ऐसे ग्रेट कोरोना वारियर्स से ही हम निश्चित रूप से कोरोना को हरा पाएंगे।

घर में अकेले हैं बुजुर्ग माता-पिता

दस अप्रैल को अपने बुजुर्ग माता-पिता को घर में छोड़कर अपने टूटे हाथ के आधे उपचार के साथ राधा रानी कटघोरा में कोरोना से लड़ाई के मैदान में डटी है। पीपीई किट पहनकर रेज संक्रमित क्षेत्र के कोर एरिया में जाती है। लोगों को समझाती है, सामान्य रूप से सैंपलिंग के लिए तैयार करती है और जांच के लिए उनके सैंपल लेती है। लोगों के सैंपल नहीं देने के लिए अड़ जाने पर कभी-कभी सख्त भी हो जाती है, पर सैंपल लेकर ही मानती है। राधा रानी बताती है कि वे चाहती तो मेडिकल ग्राउंड पर छुट्टी लेकर घर में रह सकती थी किंतु दूसरे साथी, पुलिस कर्मी, सफाई कर्मी सभी की इस कोरोना से लड़ाई में भागीदारी को देखते हुए वे सहर्ष कटघोरा आ गई है।

कोविड 19 ड्यूटी के दौरान पटवारी पर पुलिस पिटाई का मामला

कांकेर। पटवारी के साथ पुलिस द्वारा लाठियां भांजने वाले पुलिस कर्मियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर कांकेर जिला संघ ने प्रदेश कर्मचारी संघ के आदेशनुशार कार्यवाही की मांग किया गया है।वर्तमान में पटवारी संघ के अध्यक्ष ओंकार मंडावी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की वर्तमान में जारी लाक डाउन के दौरान जिला नारायणपुर अंतर्गत विभागीय अधिकारी/ कर्मचारियों की अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नारायणपुर छत्तीसगढ़ के द्वारा आपातकालीन परिचय पत्र जारी किया गया है. ताकि संबंधित कर्मचारी विभागीय कर्तव्यों के साथ-साथ उच्च अधिकारियों के द्वारा दिए जा रहे हैं निर्देशों का पालन कर सकें। ज्ञात हो कि 4 अप्रैल 2020 को राजलाल सलाम पटवारी को सौंपी गई कर्तव्य के संबंध में तहसील मुख्यालय ओरछा के किराना दुकान में जाकर किराना सामग्री के स्टाक की जानकारी एवं ग्राम गदाडी के सचिव का फोन नंबर ले रहा था। उसी समय दुकान में दो बच्चे एवं दो अन्य व्यक्ति भी सामान लेने हेतु खड़े थे । उसी समय चार- पांच पुलिसकर्मी आए एवं सभी को लाठी से पीटना शुरू कर दिए।

न्यूज गैलरी

लॉक डाउन का उल्लंघन करने वाले 5 पर की कार्यवाही

आरंग/ आरंग पुलिस ने बिना मास्क लगाए बेवजह घूम रहे 5 लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया है . मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह 11 बजे आरंग के इंदिरा चौक के पास लॉकडाउन और कर्फ्यू का उल्लंघन कर बिना मास्क या फेसकवर लगाए 1 बाइक पर तीन लोग घूम रहे थे . पुलिस ने उन्हें रोका और उन्हें हिरासत में लेकर थाना लाए . कुछ देर बाद उसी स्थान पर एक और बाइक में उसी प्रकार घूम रहे दो लोगों को हिरासत में लेकर थाने लाए . पहले प्रकरण में आरोपी दिनेश यादव, प्रकाश देवांगन व गजेंद्र साहू ग्राम बैहार के जबकि दूसरे प्रकरण में आरोपी गिरधारी पटेल व राजेंद्र साहू आरंग के ही रहने वाले हैं . पुलिस ने दोनों प्रकरण में बाइक को जब्त कर सभी पांचों आरोपियों के विरुद्ध बिना मास्क व फेसकवर के बेवजह घूम कर कोरोनावायरस के संक्रमण को बढ़ने का मौका दे मानव जीवन को संकट में डालने के लिए आईपीसी की धारा 188, 269, 270, 279 व एपिडेमिक डिसीजेस कोविड-19 विनिमय 2020 तथा छत्तीसगढ़ पब्लिक हेल्थ एक्ट 1949 की धारा 71(1) के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने के लिए रायपुर न्यायालय के समक्ष पेश किया है . बता दें प्रदेश में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए पिछले दिनों छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को फेस मास्क लगाना अनिवार्य किया था साथ ही ऐसा ना करते पाए जाने वाले के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई थी।

मुठभेड़ में क्रॉस फायरिंग की चपेट में आये दो ग्रामीण, एक की मौत

■ सुबह तड़के हुई भिड़ंत, 2 पकड़ाए

नवप्रदेश संवाददाता

बीजापुर। पुलिस-माओवादी मुठभेड़ की क्रॉस फायर की चपेट में आये दो ग्रामीण। उपचार के दौरान एक ग्रामीण की मौत। दूसरे घायल ग्रामीण का चल रहा इलाज। ज़िला चिकित्सालय में चल रहा घायल ग्रामीण का इलाज। पुलिस के आला अधिकारी पहुंचे अस्पताल। सुबह 4 बजे हुआ था मुठभेड़। मोदकपाल थानाक्षेत्र के ओतकलपाड़ा के जंगलों में हुआ मुठभेड़। एसपी कमलोचन कश्यप ने की घटना की पुष्टि। जवानों की फायरिंग में दो ग्रामीणों को लगी गोली। एक की हुई मौत। एक घायल का चल रहा इलाज। मारे गए ग्रामीण का नाम दुब्बा कत्रा है।मुठभेड़ में घायल यालम धरमैय्या ने मीडिया से बातचीत करते हुए दावा किया है कि एनकाउंटर के दौरान कोई माओवादी मौजूद नहीं थे। पुलिस के जवानों ने एकतरफा फायरिंग किया है। पुसगुड़ी गांव के 5 ग्रामीण सुबह जंगल में घूमने गए थे। जवानों की फायरिंग में दो ग्रामीणों को गोली लगी है एक ग्रामीण दुब्बा कत्रा की मौत हो चुकी है। वहीं एसपी कमलोचन कश्यप ने का कहना है कि इंटेलिजेंस की सूचना के आधार पर फोर्स उस इलाके में निकली थी। तड़के सुबह माओवादियों के साथ मुठभेड़ हुई है। जिसमें सर्चिंग के दौरान दो लोगों को पकड़ा गया है। जिसमें एक की इलाज के दौरान मौत हो गई है, जबकि दूसरा घायल है।

नक्सलियों ने की सहायक आरक्षक की धारदार हथियार से हत्या

बीजापुर। नक्सलियों ने की सहायक आरक्षक की हत्या। बीती रात सहायक आरक्षक कुरसम रमेश की धारदार हथियार से हमला कर की हत्या। नक्सलीयों ने जवान पर ग्रामीणों का पैसा, बकरा, मुर्गा लूटने के साथ मारपीट का भी लगाया आरोप। नक्सलियों के नेशनल पार्क एरिया कामेटी ने ली हत्या की जिम्मेदारी। फरसेगढ़ थाना क्षेत्र का मामला। राहत शिविर केम्प फरसेगढ़ में रहता था सहायक आरक्षक कुरसम रमेश।

मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, शब बरामद

बीजापुर । पुलिस-माओवादी मुठभेड़। मुठभेड़ में एक पुरुष माओवादी हुआ ढेर। मारे गए माओवादी का शव किया गया बरामद। दंतेवाड़ा और बीजापुर से एन्टी नक्सल आपरेशन पर निकले थे सीआरपीएफ और डीआरजी के जवान। घटनास्थल से भारी मात्रा में नक्सल सामग्री किया गया बरामद। बीजापुर जिले के हुर्रेपाल- बेचापाल के जंगलों में हुआ पुलिस-माओवादी मुठभेड़। बस्तर आईजी पी. सुंदरराज ने की घटना की पुष्टि।

डोंगरा पंचायत में मनरेगा के तहत शुरू हुआ काम

नव प्रदेश संवाददाता

■ पहले दिन ही श्रमिकों को किया गया मास्क का वितरण

लवन। कोरोना वायरस के चलते देश में 23 मार्च से डॉकडाउन चल रहा है। जिसके चलते रोज कमाने-खाने वाले मजदूरों के समक्ष रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न हो गया हैं। सभी प्रकार के निर्माण कार्य, मकान, दुकान आदि बंद है। मजदुरों की परेशानी को देखते हुए जिला प्रशासन ने बलौदाबाजार ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों में काम शुरू करने के निर्देश पंचायतों को दिए। इसी तारतम्य में ग्राम पंचायत डोंगरा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत नया तालाब गहरीकरण का काम शुरू किया गया। ग्राम पंचायत डोंगरा के सरपंच धनकुमार औधेलिया व उपसरपंच शिव वर्मा ने बताया कि यंहा रोजगार गारंटी योजना के तहत काम शुरू होते ही कार्यरत श्रमिकों को मास्क का वितरण किया। इसके पहले श्रमिकों को साबुन से हाथ धोने व दूरी बनाकर रहने की सलाह सरपंच व उपसरपंच ने दिया। जिला जिला प्रशासन के दिशा निर्देश पर एक परिवार को एक जगह तथा एक निश्चित दूरी बनाकर कार्य करने की सलाह दिए है। यहां सोशल डिस्टेंस का पालन कराते हुए तीन वार्ड के 261 मजदूरों को काम दिया गया। नया तालाब गहरीकरण के लिए 9 लाख 83 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति शासन से प्राप्त हुई है। श्रमिकों को लॉकडाउन व सोशल डिस्टेंस का पालन कराते हुए वार्ड वाईस श्रमिकों कार्य देकर रोजगार गारंटी योजना का काम कराया जा रहा है।

रायपुर मंडल में पार्सल ट्रेनों का परिचालन जारी

■ 133.66 टन सामान रायपुर, दुर्ग स्टेशनों से देश के अन्य क्षेत्रों में भेजा गया

रायपुर। कोरोन वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए लगाए गए लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाएं, चिकित्सा आपूर्ति, चिकित्सा उपकरण, खाद्य तेल, आदि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के दुर्ग रायपुर स्टेशनों से होते हुए देश के अन्य क्षेत्रों में लगभग 12, कोविड-19 पार्सल स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 04 विशेष पार्सल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है।

रायपुर रेल मंडल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग-छपरा-दुर्ग, दुर्ग-अंबिकापुर-दुर्ग, दुर्ग-कोरबा-दुर्ग, इतवारी-टाटानगर-इतवारी पार्सल एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जा रही है इसके अतिरिक्त मुंबई शालीमार कल्याण इगतपुरी नासिक मनमाड,जलगांव, बडनेरा, नागपुर, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा,राउरकेला, टाटानगर, स्टेशनों पर से कोविड19 पार्सल स्पेशल ट्रेन समान ले कर जा रही हैं। पोरबंदर शालीमार पोरबंदर कोविड-19 पार्सल स्पेशल गाड़ी का परिचालन जामनगर, राजकोट, सुरेंद्रनगर, अहमदाबाद, आनंद, वडोदरा, सूरत, नंदुरबार, भुसावल, अकोला, बडनेरा, नागपुर, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा,राउरकेला, चक्रधरपुर टाटानगर, खड़कपुर, शालीमार स्टेशनों से कोविड19 पार्सल स्पेशल ट्रेन आवश्यक सामग्री लेते हुए गंतव्य तक चलाई जा रही है।

लॉकडाउन उल्लंघन पर ठोक रहे जुर्माना

■ दर्जन भर दुकानदारों से 52 हजार किया जा चुका है जुर्माना वसूल

गंडई पंडरिया। कल ग्राम चकनार में नर्मदा मंदिर चौक में छूट प्राप्त दुकानों को छोड़कर अन्य दुकानें बेधड़क संचालित पाए जाने के कारण सीईओ एवं तहसीलदार पुलिस टीम के साथ जाकर दुकानों पर जुर्माना ठोका। जिसमें दीप वस्त्रालय से 2 हजार रुपये एवं अन्य एक दुकान से 1 हजार रुपए जुर्माना कर दुकान बंद कराने की कार्यवाही की गई है।

लाक डाउन के उल्लंघन किए जाने पर अभी तक लगभग एक दर्जन दुकानदारों से 50हजार का जुर्माना वसूल किया जा चुका है। नगरीय क्षेत्र गंडई एवं उसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लाक् डाउन के उल्लंघन किए जाने पर अब तक 12 दुकानदारों से 52हजार रुपए का जुर्माना कर वसूल किया जा चुका है।

लगातार की जाने वाली इस कार्यवाही में गंडई क्षेत्र के तहसीलदार प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, सीएमओ खुमान कश्यप, थाना प्रभारी शिव चंद्रा एवं सीईओ सुदर्शन भागीरथी की संयुक्त टीम कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रानांदगांव के आदेश पर एवं एसडीएम गंडई के निर्देशन में यह कार्यवाही लगातार की जा रही है।

अवैध रूप से चल रही कच्ची शराब भट्ठी को किया नष्ट

■ आबकारी टीम ने दी दबिश, 14 लीटर महुआ शराब तथा 70 किग्रा महुआ लाहन बरामद,

नव प्रदेश संवाददाता

धमतरी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रजत बंसल के द्वारा नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से आमजन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लॉक डाउन की अवधि में मदिरा दुकानों को बंद रखने हेतु आदेश जारी किया गया है। नगरी विकासखंड के ग्राम माकरदोना क्षेत्र में अवैध शराब बनाने की शिकायत के आधार पर आज आबकारी विभाग की टीम द्वारा दबिश दी गयी, जिसके तहत ग्राम माकरदोना जंगल के पास 14 ली. महुआ शराब बरामद कर 70 किग्रा महुआ लाहन नष्ट किया गया। आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 34(1)(च) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध करते हुए अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही है। सम्पूर्ण कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी चन्द्रहास यदु के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक शरद जायसवाल तथा स्टाफ द्वारा की गयी। विदित हो कि शुष्क अवधि में अवैध मदिरा विनिर्माण/ धारण/ विक्रय/ परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के लिए जिला दंडाधिकारी के द्वारा आबकारी विभाग के कार्यपालिक स्टाफ को सघन गश्त हेतु निर्देश जारी किये गये है। इसी दरमियान थाना मगरलोड को सूचना मिली कि ग्राम कुसुमखुटा हाथादारा जंगल में अंधवाबांधा के पास अवैध रूप से महुआ शराब निर्माण हेतु प्लास्टिक ड्रम में महुआ भरकर जमीन में गड़ा कर रखे हैं । उक्त सूचना की तस्दीकी एवं वैधानिक कार्यवाही हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्री रश्मिकांत मिश्र के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मगरलोड उप निरीक्षक सुभाष लाल के द्वारा पुलिस टीम तैयार कर वैधानिक कार्यवाही हेतु रवाना किया गया ।

शराब की तस्करी करते तीन गिरफ्तार

गंडई पंडरिया। लॉक डाउन के बीच शराब तस्कर बेखौफ अंदाज में शराब की तस्करी कर रहे हैं। वह भी काफी ज्यादा कीमत पर। शराब के तौकीन लोग महंगी दामों में तस्करों से शराब खरीद रहे हैं। लॉकडाउन का फायदा उठाकर शराब की तस्करी करते हुए गंडई के 3 युवाओं को मोहगांव पुरैना पुलिस चौकी ने शिवारपुर में धर दबोचा है। तीनों के खिलाफ 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल दाखिल किया गया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 9:30 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की है। इसकी कीमत 1425 रुपये आंकी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गंडई के धर्मेंद्र मिश्रा (30 वर्ष), विकी टंडन (24 वर्ष) और देवचरन शर्मा उर्फ गोलू (25 वर्ष) बुहानगढ़ से साढ़े नौ लीटर कच्ची शराब लेकर गंडई आ रहे थे।

गरियाबंद: अवैध शराब परिवहन और ब्रिकी के मामले बढ़े

गरियाबंद (नव प्रदेश)। लाकडाउन के दौरान अब जिले में अपराधो का ट्रेड भी बदल गया है। चोरी, हत्या, दुर्घटना और मारपीट जैसे मामलो के बदले अब अवैध शराब परिवहन और ब्रिकी के मामले बड़ी मात्रा में सामने आ रहे है। अवैध तस्कर लाकडाउन का जमकर फायदा उठा रहे है। जिले के हर थाना क्षेत्र में तस्कर सक्रिय हो गए और चोरी छूपे अवैध शराब के कारोबार को बढ़ावा दे रहे है। लाकडाउन के बाद कई थाना क्षेत्र में अवैध शराब के मामले ही ज्यादा दर्ज किए गए है और इस मामले में कई आरोपी जेल भी भेज गए है। जानकारी के मुताबिक जिले के कुल 09 थाना क्षेत्र में लाकडाउन के बाद अब तक कुल 47 मामले दर्ज हुए जिसमें 60 आरोपी जेल भेजे गए है। इसमें सबसे ज्यादा मामले छुरा थाना क्षेत्र में दर्ज हुए हैं यहां कुल 11 मामलो में 11 लोगो की गिरफ्तारी हुई है। जबकि सबसे कम मामले मैनपुर, अमलीपदर और पीपरछेड़ी थाना क्षेत्र में दर्ज हुए यहां अब तक केवल एक एक ही मामला दर्ज हुआ है। ओडिशा सीमा से लगे देवभोग थाना में भी मात्र दो मामले दर्ज हुए है। बिते दो माह का रिकार्ड देखा जाए तो नए साल में जनवरी मे पुलिस ने 55 मामले दर्ज किए थे। वही फरवरी में मात्र 10 मामले दर्ज हुए थे। इसके मुताबिक अवैध शराब की ब्रिकी बहुत कम थी परंतु लाकडाउन के बाद आए आकड़ो के मुताबिक तेजी से अवैध महुआ शराब का कारोबार बढ़ता नजर आ रहा है। जबकि अन्य प्रकार के अपराध कम संख्या में सामने आए है।

ज्ञात हो कि लाकडाउन के दौरान राज्य शासन ने पूरे प्रदेश में शराब दुकाने बंद रखी है इसके चलते मदिराप्रेमियो के पास महुआ शराब पीने के अलावा कोई

इस संबंध में एसपी भोजराम पटेल से चर्चा करने उन्होने कहा कि लाकडाउन के बाद ओडिशा सीमा से लगे राज्यो के पुलिस के साथ समन्वय बनाकर सीमा क्षेत्रो अवैध शराब परिवहन रोकेंगे। ग्रामीण मुखबिर तेज कर गांवो में बनने वाली अवैध महुआ शराब के पर पूर्णत अंकुश लगाने की दिशा में काम करेंगे।

भोजराम पटेल, एसपी

कार्डधारक परिवारों को मिला दो माह का नि:शुल्क राशन

■ जिले के 1 लाख 90 हजार से अधिक से अधिक राशन कार्ड धारको के चेहरो में खुशी की मुस्कान

■ मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कराया अपनत्व का अहसास

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के वैश्विक संक्रमण से निपटने के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान जिले के 1 लाख 90 हजार 470 राशन कार्ड धारको को दो माह का नि:शुल्क राशन मिलने से उनके चेहरो मे खुशी की मुस्कान आ गई है। उन्हे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत एक मुश्त अप्रैल और मई माह का राशन दिया गया है। इसी तारतम्य मे जिला मुख्यालय मुंगेली के कोमल देवांगन, विकास खण्ड लोरमी के देवल प्रसाद काठले, राकेश कुमार, हरिदेव प्रसाद जैसे गरीबी रेखा श्रेणी के अनेक राशन कार्ड धारको ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान यदि उन्हे एक मुश्त दो माह का राशन नही मिलता तो उनके परिवार के सामने रोजी-रोटी की समस्या आ जाती । प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उनके जैसे गरीब परिवारो को एक मुश्त दो माह का राशन निःशुल्क प्रदान कर उनके परिवारो को भोजन की चिंता से मुक्त कर दिया है । इसके लिए उन्होने मुख्यमंत्री श्री बघेल को धन्यवाद देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया है। गरीबी रेखा राशन कार्ड धारको ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने संदेश में कहा कि नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव व रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान छत्तीसगढ़ में किसी को भी भूखा नहीं सोने देंगे। राशन कार्डधारको को एक मुश्त दो माह का राशन निःशुल्क देगे । मुख्यमंत्री श्री बघेल ने गरीबी रेखा राशन कार्ड धारकों को एक मुश्त दो माह का राशन देकर अपनत्व का अहसास दिला दिया है। राज्य शासन के निर्देश पर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन मे गरीबी रेखा के श्रेणी के 1 लाख 90 हजार 470 राशन कार्ड धारको को उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से एक मुश्त दो माह का निःशुल्क राशन प्रदान किया गया है। नये राशन कार्ड बनाने का कार्य भी युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसी तरह ऐसे जरूरतमंद लोग जिनके पास वर्तमान में किसी कारणवश राशनकार्ड नहीं हैं। उन्हें भी एक माह का राशन निःशुल्क प्रदान करने का योजना बना ली गई है और उन्हे भी यथा शीघ्र राशन निःशुल्क दिया जाएगा । इसी प्रकार जिले के 11 हजार 960 एपीएल कार्डधारको को भी 10 रूपए प्रति किलो की दर से अप्रैल माह का चावल का वितरण किया जा रहा है। लॉकडाउन के दौरान उन्हे भी 10 रूपए प्रति किलो की दर से चावल मिलने पर वे भी मुख्यमंत्री श्री बघेल के प्रति आभार व्यक्त किये है। राशन कार्ड धारको को सोशल डिस्टेसिंग के नियमों का पालन करते हुए राशन का वितरण किया गया है।

भेजे गए 12 सेम्पल में 10 की रिपोर्ट निगेटिव, 2 के रिजेक्ट होने से निगेटिव

मुंगेली (नव प्रदेश)। नवपदस्थ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डां. एम.डी.तेंदवे ने बतलाया कि वर्तमान समय में कोरोना के 35 लोग क्वारेंटाइन में है जिसमें से 31 मुंगेली व 4 पथरिया में रखे गए है। जिनमें बरदुली के आए 8 लोग भी शामिल है। 12 सेम्पल परीक्षण हेतु भेजे गए थे जिनमें से 10 के रिपोर्ट निगेटिव आए है वहीं 2 सेम्पल के रिपोर्ट रिजेक्ट होकर निगेटिव आए है। होम आइसोलेशन में 5009 लोग है जिनमें से 1966 लोगो का होम आइसोलेशन अवधि 28 दिन पूरा हो जाने के कारण ये होम आइसोलेशन से मुक्त हो गए है। जिसके पश्चात होम आइसोलेशन में रहने वालो की संख्या 3043 रह गई है।

■ 35 लोग क्वारेंटाइन में है मुंगेली में 31 व पथरिया में 4

■ 5009 लोग होम आइसोलेशन में

■ 1966 लोग होम आइसोलेशन अवधि पूरा करने के बाद रिक्सजोन से बाहर

■ अब होम आइसोलेशन में 3043 है